नई दिल्ली
बुधवार
15 मई, 2024
वर्षः 10, अंकः 253
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

सुशील मोदी पंचतत्व में हुए विलीन, नम आंखों से...पेज-05

DELHIN/2014/58158

भाजपा के अहंकार को खंड खंड करेगा...पेज-08

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

एक नजर

केन्द्रीय राजस्व भवन में आग से एक कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली स्थित केंद्रीय राजस्व भवन में आज आग लग गयी जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गयी जबकि कोई भौतिक रिकॉर्ड क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर इस घटना की जानकारी देते हुये कहा कि आग कमरा नंबर 325 और निकटवर्ती कमरा में लगी जिसका मुख्य रूप से प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है। घटना की जानकारी होते ही तुरंत निकासी की गई और अग्निशमन दल को तुरंत बुलाया गया। उसने कहा कि करदाताओं से संबंधित कोई डेटा क्षतिग्रस्त नहीं हुई क्योंकि सभी आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल किए जा रहे हैं और सभी संबंधित कार्यवाही भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से की जा रही हैं। हालांकि आग पर अब काबू पा लिया गया है, लेकिन कारण का पता लगाया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि दुर्भाग्य से, एक कार्यालय अधीक्षक धुएं के कारण फंस गया और उसे बचाने के प्रयासों के बावजूद उसकी जान चली गई। आयकर विभाग दिवंगत आत्मा के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त किया है और दुख की इस घड़ी में उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

मध्यवर्गीय निवेशकों को जोखिम से बचने के उपाय कड़े करें शेयर बाजार : सीतारणम

मुंबई,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में मध्य वर्ग द्वारा घरेलू बचतों को पूंजी बाजार में निवेश करने के बढ़ते रुझान को देखते हुए शेयर बाजारों को व्यवस्थागत जोखिम कम करने के लिए नियम-कायदे और मजबूत करने की मंगलवार को सलाह दी। श्रीमती सीतारमण ने मुंबई में शेयर बाजार बीएसई के एक कार्यक्रम में कहा कि घरेलू बचत के निवेश के बारे में भारत में नयी पीढ़ी की सोच बदल रही है। उन्होंने निवेशकों का जोखिम कम करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई (पहले बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज) के शीर्ष अधिकारियों को बाजार विनियामक प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ मिलकर विनियामकीय मानक और कड़ा करने की अपील की। कार्यक्रम का विषय था- विजन फॉर इंडियन फाइनेंस मार्केट्स यानी भारत के वित्तीय बाजार के लिए भविष्य की सोच। श्रीमती सीतारमण ने बाजार में मध्यम वर्ग के निवेशकों की भागीदारी की सक्रिय भूमिका के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि निवेशकों और उनके योगदान की रक्षा करने की आवश्यकता है ताकि घरेलू वित्त के विषय में हो रहा पीढ़ीगत बदलाव बाजार में अत्यधिक जोखिम भरे उतार चढ़ाव के चलते बिखर न जाए।

झारखंड में नक्सलियों का दायरा सिकुड़ रहा: नरेंद्र मोदी

गिरिडीह,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई में बड़ा प्रहार करने का वादा करते हुए आज कहा कि केंद्र के प्रयासों से झारखंड में नक्सलियों का दायरा लगातार सिकुड़ रहा है। श्री मोदी ने मंगलवार को गिरिडीह जिले के पेशम में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में नक्सलियों का दायरा सिकुड़ रहा है। नक्सलवाद एवं आतंकवाद पर तीसरे कार्यकाल मे बड़ा प्रहार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, देशहित में लगातार काम कर रहा हूँ तो झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के नेता डरे हुए है। इण्डि गठबंधन के नेता हमे गोली मारने की बात कही थी, उन्हें यहां आकर जनता को देखना चाहिए जो मेरी सुरक्षा कवच है। श्री मोदी ने कहा कि झारखंड के नेता नोटों के पहाड़ ऊगा रहे हैं। अधिकारी और उन्हें सहयोग करने वालों के यहां से रुपये निकल रहे है। यह सब काम शाही परिवार के इशारे पर हो रहा है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और कोडरमा के भाजपा प्रत्याशी अनपूर्णा देवी भी मौजूद थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा प्रत्याशी के रुप में वाराणसी से पर्चा भरा

वाराणसी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिये मंगलवार को वाराणसी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर शामिल थे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं। इससे पहले गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। श्री मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे। नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार

नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। श्री मोदी के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, असम के सीएम हेमंता विश्व सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि की मौजूदगी रही।

'चौथे चरण के मतदान के बाद राजग ने 270 सीटें की हासिल'

बोनगांव,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 338 लोकसभा सीटों में से 270 सीटें हासिल कर ली हैं तथा एक जून को चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक 400 से अधिक सीटें हासिल हो जाएंगी। श्री शाह ने उत्तर 24 परगना में मतुआ समुदाय के गढ़ बोनगांव में केंद्रीय मंत्री एवं मौजूदा सांसद शांतनु ठाकुर के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की आलोचना की।

उन्होंने बंगाल के मतदाताओं से 42 में से 30 से अधिक सीटें भाजपा के लिए सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा, ममता दीदी आप तब खुश थीं जब आपने ईवीएम वोटिंग के जरिये सत्ता हासिल की और मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीन कार्यकाल पूरे किये, लेकिन अब आप आसन्न हार की आशंका के कारण उन्हीं इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को दोष दे रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बंगाल में अगली सरकार भाजपा की बनने का दावा करते हुए कहा ममता दीदी अब ईवीएम के बारे में शिकायत कर रही हैं। मैं कहूंगा, जब आप मुख्यमंत्री बनीं, तब भी ईवीएम वही थीं। आज जब आपके जाने की बारी है, तो आप ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां खुलेआम आपसे कहता हूं कि चिटफंड घोटाला, शिक्षक नियुक्ति घोटाला, नगर निकाय नियुक्ति घोटाला, मवेशी और कोयला तस्करी घोटाले के किसी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी को जेल जाना होगा। श्री शाह ने यह भी आरोप लगाया कि सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के बारे में झूठ फैला रही हैं तथा वह अपने घुसपैठियों के वोट बैंक को खुश करने के लिए मतुआ समुदाय और दलितों को नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा, सीएए उन हिंदुओं, बौद्धों, जैनियों और सिखों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए है, जिन्होंने भारत में शरण ली है और इसका लोगों को देश से बाहर निकालने से कोई लेना-देना नहीं है। मैं आपको बताता हूं कि नागरिकता देना देश का काम है। सरकार और किसी भी राज्य के पास इसे रद्द करने की कोई शक्ति नहीं है।

एक साल में हर घर की एक महिला के खाते में जायेंगे एक लाख...खटाखट, खटाखट : राहुल

झांसी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना धरती झांसी मंगलवार को आये कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सत्ता में आने पर आम जनता के लिए वादों की बरसात करते हुए कहा कि एक साल में हर परिवार की एक महिला के खाते में एक लाख रूपये भेजे जायेंगे ... खटाखट खटाखट। यहां क्राफ्ट मेला मैदान में बुंदेलखंड की अति महत्वपूर्ण झांसी लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप जैन आदित्य के समर्थन में रैली करने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ पहुंचे राहुल ने सभा स्थल के पास ही स्मार्ट सिटी के तहत लगाये गये रंग बिरंगे छातों पर तंज कसते हुए कहा कि अगर सिर्फ छाते लगाने से ही स्मार्ट सिटी बन जाती है तो मैं सारी स्मार्ट सिटी बना दूंगा। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को साधते हुए कहा हर परिवार की एक महिला के खाते में एक साल में एक लाख रूपया भेजा जायेगा वो भी खटाखट खटाखट।

मोदी जी ने युवाओं से कहा नाले में पाइप डालो, गैस निकलेगा और उस गैस पर पकौडे तलों। हम देश के करोडों युवाओं को अरबपति और महिलाओं को लखपति बनायेंगे। जब युवा और महिलाओं के हाथ में

पैसा होगा तो वह खर्च करेंगे। इससे छोटे उद्योगों के उत्पादों की मांग बढेगी और रोजगार तो पैदा होंगें ही साथ ही छोटे उद्योग पनपेंगे। इस तरह हमारे देश की अर्थव्यवस्था दौड़ने लगेगी। हम बैकों के दरवाजें छोटे उद्योगों को लोन देने के लिए खोल देंगे। जीएसटी के स्वरूप में बदलाव करेंगे। इस सब का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और वह भी दौड़ने लगेगी। उन्होंने अग्निवीर योजना पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सत्ता में आते ही इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे। भाजपा के राज में किसानों को सबसे अधिक दर्द हुआ है। चार जून के बाद देश के किसानों का कर्जा माफ कर दिया जायेगा। किसानों का जो पैसा बीमा कंपनियों के पास है वह 30 दिन में दिलायेंगे।

नरेंद्र मोदी के कथित नफरती भाषण के खिलाफ दायर याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई अन्य नेताओं की ओर से आम चुनाव 2024 में अप्रैल-मई के दौरान कथित तौर पर नफरती भाषण देने के खिलाफ उन पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने डॉ. इमानी अनंत सत्यनारायण सरमा और अन्य की याचिकाएं खारिज करते हुए कहा वह इस मामले में सुनवाई करने के इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि अदालत इस संबंध में चुनाव आयोग को कोई निर्देश जारी नहीं कर सकता है। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। हम अनुच्छेद 32 के तहत ऐसे निर्देश जारी नहीं कर

सकते। खारिज किया जाता है। याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने याचिका पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध करते हुए पहले कहा था कि चुनाव आयोग इस मामले में अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। इस पर पीठ ने शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। इसके बाद श्री हेगड़े ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा अदालत कम से कम यह स्पष्ट कर सकती है कि केवल इस स्तर पर वह याचिका पर विचार नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उनकी यह दलील भी ठुकरा दी और आदेश में इस स्तर पर शब्द जोड़ने से इनकार कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय श्री मोदी समेत अन्य पर इस मामले में कार्रवाई करने की मांग वाली याचिकाएं पहले ही याचिका खारिज चुकी है। शीर्ष अदालत में दायर याचिका में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा दिए गए भाषणों के साथ-साथ भाजपा द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की गई सामग्री पर चिंता जताई गई है।

मोदी की दूरदर्शी सोच की बदौलत नई ऊंचाइयां छू रहा भारत : राजनाथ

लखनऊ,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और विकास के लिये नयी सोच और लगन की बदौलत भारत दुनिया में नयी ऊंचाईयां छू रहा है। भाजपा प्रत्याशी के तौर पर स्थानीय सांसद श्री सिंह ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये कहा लखनऊ के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पूरा सहयोग मिला। मैंने जो भी कहा, क्षण भर भी विलंब किए बिना सीएम योगी ने तत्काल स्वीकृति प्रदान की। यही कारण है कि लखनऊ का विकास तेजी से हुआ है। उन्होने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ी है। पहले भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात कहता था तो उसकी बातें गंभीरता से नहीं ली जाती थीं, लेकिन आज आज भारत बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है।

हमारे एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं: योगी आदित्यनाथ

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

बाराबंकी। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान को लेकर दिये गये बयान पर कटाक्ष करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान समर्थक रामद्रोही जान लें कि हमारे पास भी एटम बम है और यह एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं बना है। श्री योगी ने मंगलवार को यहां एक चुनावी जनसभा में कहा कि इस देश में रामभक्त और रामद्रोही हैं। रामभक्त राम मंदिर से उत्साहित हैं तो रामद्रोही नाखुश हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले यह लोग कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है। मोदी का विरोध सिर्फ रामद्रोही और पाकिस्तान ही कर रहे हैं। रामभक्त ही राष्ट्रभक्त हैं। वे भारत के उत्थान के बारे में सोचते हैं तो रामद्रोही पाकिस्तान का राग अलाप रहे हैं। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ मत बोलो-उसके पास एटम बम है। पाकिस्तान समर्थक रामद्रोही जान लें कि हमारे पास भी एटम बम है, हमारा एटम बम फ्रिज में रखने

के लिए नहीं बना है। यह लोग एक तरफ एटम बम की धमकी से भारत के दुश्मनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं तो दूसरी तरफ राम मंदिर का विरोध कर राम को अपमानित कर रहे हैं। फैजाबाद के सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए दरियाबाद रेलवे स्टेशन के पास मैदान में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस-सपा की नीतियों और नेताओं को निशाने पर लेते हुये कहा कि रामद्रोही नाखुश हैं। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है, यह राम भक्तों पर गोलियां चलाते थे। इनके समय में जन्मभूमि पर आतंकी हमला होता था और आतंकियों पर दायर मुकदमे वापस लिए जाते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला के विराजमान होने में अयोध्या के आमजन का बड़ा योगदान है, क्योंकि आपके वोट के बल पर मोदी जी को ताकत मिलती है। विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आस्था से खिलवाड़ कर अयोध्या में रामलला के मंदिर को क्षतिग्रस्त कर गुलामी के ढांचे को स्थापित किया था, लेकिन आपके वोट की बदौलत इसे हटाने और मंदिर बनाने की ताकत मिली। 22 जनवरी को जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और प्रभु रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आपके दर्शन करने से प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद का सर्वाधिक सौभाग्य मुझे और मोदी जी को प्राप्त होता है, क्योंकि आप की दुआ हमें लगती है। अब अयोध्या में लाखों का जनसैलाब दर्शन करने उमड़ रहा है। उन्होने कहा कि भारत में शासन की सबसे अच्छी व्यवस्था रामराज्य मानी गई। फिर भी ऐसे कौन लोग थे, जिनकी वजह से रामलला को उनकी जमीन से वंचित किया गया। विडंबना है कि स्वतंत्र भारत में 70 वर्षों तक कहना पड़ा कि अयोध्या धाम राम की जन्मभूमि है। यहां मंदिर बनना चाहिए।

कई घोटालों पर ओडिशा में सीबीआई, ईडी की छापेमारी क्यों नहीं?: जयराम रमेश

भुवनेश्वर,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ओडिशा क्यों नहीं आ रहे हैं, जहां बीजू जनता दल (बीजद) के 24 वर्षों के शासन के दौरान खनन और भूमि घोटाले सहित कई फर्जीवाड़े हुये हैं।

श्री रमेश ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक दोनों चुनाव के समय में 'फर्जी बॉक्सिंग मैच' खेल रहे हैं। बीजद और भाजपा को एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बीजद के साथ अपनी पार्टी के संबंधों के बारे में झूठ बोल रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में

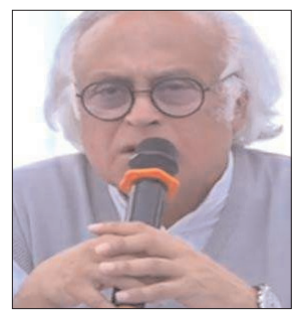

लोकसभा और राज्यसभा में बीजद सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव सहित हर विवादास्पद विधेयक पर मोदी सरकार को संकट से उबारा है। बदले में, भाजपा ने बीजद को घपलों में बचाने का काम किया है। उन्होंने कहा, ओडिशा में ईडी और सीबीआई छापे पड़े ही नहीं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा हार रही है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के चार चरणों में इंडिया समूह बहुमत हासिल कर चुका है। लोकसभा चुनाव और भाजपा को लेकर उन्होंने कहा, दक्षिण में साफ, उत्तर, पश्चिम और पूर्व में आधा-आधा। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के सात चरण समाप्त होने के बाद इंडिया समूह केंद्र में सरकार बनाने जा रहा है। यह कहते हुए कि बीजद और भाजपा के बीच कोई अंतर नहीं है। कांग्रेस नेता ने श्री नवीन पटनायक से तीन सवाल पूछे। क्या चुनाव के बाद के परिदृश्य में बीजद भाजपा का समर्थन करेगी? आपने संसद में किसान विरोधी और आदिवासी विरोधी बिल का समर्थन किया या नहीं? क्या आप हिस्सदारी न्याय, कांग्रेस पार्टी की सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना का समर्थन करेंगे?

कन्हैया कुमार ने पीएम मोदी को दी अंबानी-अडाणी के यहां ईडी-सीबीआई को भेजने की चुनौती

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना,
सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। आज उन्होंने गोकुलपुर से पदयात्रा शुरू की और जनता से कांग्रेस को वोट देने की अपील की। इससे पहले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि यदि उन्हें 'नकदी से भरे टेम्पो% विपक्षी दल को भेजे जाने पर यकीन है तो वह अंबानी और अडाणी के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भेजें। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता ने अपने पैतृक जिले बेगूसराय के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, ''ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री भूल जाते हैं कि वह सत्ता में हैं, विपक्ष की तरह बात करने लगते हैं। जब वह इस तरह के आरोप लगाते हैं तो यह हास्यास्पद लगता है। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री यह बताएं कि उनको इस बारे में पता कैसे चला।

उन्होंने कहा, ''साहब आप ही देश चला रहे हैं। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग आपके ही पास हैं। यदि ऐसा है तो आरोप क्यों लगा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी हैं ही। उन्हें उन लोगों के खिलाफ छापेमारी करानी चाहिए जिन पर उन्हें नकदी से भरे टेम्पो भेजने का संदेह है। कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में दो दिवसीय दौरे पर आने और पटना में रोड शो किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''चुनाव के समय आते हैं। कोरोना काल के दौरान जब लोग यहां मर रहे थे, गुरुग्राम और दिल्ली से पैदल चलकर यहां आ रहे थे, तो क्या वह यहां आए थे। चुनाव है, तो आएंगे ही। चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बनने पर अपने भतीजा को बीसीसीआई का सचिव बनाएंगे। कन्हैया ने कहा कि बिहार के लोगों को भी उनसे पूछना चाहिए था कि उन्होंने इस प्रदेश के लिए 1.25 लाख करोड रूपये के विशेष पैकेज का जो वादा किया था वह अभीतक क्यों नहीं दिया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बेगूसराय से अपना भाग्य आजमा चुके कुमार ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन के बनने से इस बार इस संसदीय क्षेत्र में परिस्थितियां बदल गयी हैं। उन्होंने कहा कि ना केवल बेगूसराय के मतदाता इस बार यहां बदलाव करेंगे बल्कि बिहार समेत पूरे देश में 'इंडिया गठबंधन की लहर है। कैन्हैया ने कहा कि उन्हें लगता है कि राजग की सरकार नहीं बनेगी, बल्कि 'इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान जमानत की मांग करते हुए दलील दी गई कि अभी भी इस मामले में ईडी और सीबीआई की जांच जारी है। वरिष्ठ वकील दायन कृष्णन ने कहा कि इस मामले में अभी भी गिरफ्तारी जारी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले में ईडी और सीबीआई ने भी कोर्ट में अपनी दलीलें रखीं।

सुनवाई के दौरान दायन कृष्णन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया और कहा कि सीबीआई ने इस मामले में एक मुख्य चार्जशीट और दो पूरक चार्जशीट दाखिल की है। वहीं ईडी ने एक मुख्य और छह पूरक चार्जशीट दाखिल की है। दोनों मामलों में अभी जांच जारी है। इस मामले में अभी गिरफ्तारी भी जारी है। सबसे ताजा गिरफ्तारी 3 मई को की गई है। दायन कृष्णन ने कहा कि एक आरोपी के खिलाफ तो अभी आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान इस पहलू पर गौर नहीं किया। उन्होंने कहा कि क्या अभियोजन पक्ष ने ट्रायल पूरा करने की कोशिश की है। इसका जवाब है कि नहीं। ट्रायल कोर्ट में आरोपी की कोशिशों पर ही कुछ कार्यवाही आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आरोपी ने जल्द सुनवाई के लिए दो बार याचिका लगाई, ऐसे में ये कहना गलत होगा कि आरोपियों की ओर से ट्रायल में देरी की जा रही है। हकीकत ये है कि ट्रायल शुरु करने की दिशा में शून्य काम हुआ है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक मनीष सिसोदिया को जमानत दी जानी चाहिए। बता दें कि 30 अप्रैल को राउज एवेन्यु कोर्ट ने सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस में सिसोदिया की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था। इसी आदेश को सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि प्रॉफिट मार्जिन को सात फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी करने को सही ठहराने को लेकर कोई बैठक या चर्चा नहीं की गई। ये नीति कुछ थोक विक्रेताओं के पक्ष में थी। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सिसोदिया के वकील सिर्फ ट्रायल में देरी को लेकर जमानत के लिए दबाव बना रहे हैं। उसके लिए उनको हलफनामा दाखिल करना चाहिए, क्योंकि इस मामले मे बड़ी संख्या में अलग-अलग अर्जियां दाखिल की गई थी। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि मुकदमा धीमी गति से चल रहा है। ईडी ने कहा कि प्रॉफिट मार्जिन को सात फीसदी बढ़ाकर 12 फीसदी करने को सही ठहराने को लेकर कोई बैठक या चर्चा नहीं हुई। इनका तर्क है कि पहले भी बैठक और चर्चा नहीं हुई थी अब भी नहीं है, इसलिए हमने भी ऐसा किया है।

दिल्ली में चुनाव प्रचार के लिए दक्षिण से लाए गए विशेष रथ, बीजेपी नेता भरेंगे हुंकार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। ऐसे में तमाम राजनीतिक दलों ने अपना-अपना प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बीजेपी अब दिल्ली में हाईटेक प्रचार करने के मोड़ में उतर आई है। बीजेपी नेता अब रथ पर सवार होकर मतदाताओं से वोट मांगेंगे। बकायदा, इसके लिए साउथ से बीजेपी ने स्पेशल रथों को दिल्ली बुलाया है। साउथ से मंगाए गए विशेष रथ अब राजधानी की सड़कों पर घूमेंगे। दरअसल, चुनाव से पहले पीएम मोदी की दो बड़ी रैली देश की राजधानी में आयोजित की जाएगी। वहीं, बीजेपी उससे पहले ही दिल्ली के लोगों के बीच पहुंचने के लिए अब अपना प्रचार हाईटेक और डिजिटल कर दिया है। दक्षिण के जो रथ हैं वह अब दिल्ली में भाजपा के लिए प्रचार करेंगे। भाजपा के बड़े और दिग्गज नेता इन रथों पर सवार होकर दिल्ली की जनता को साधने की कोशिश करेंगे। खास बात यह है कि इन रथों पर भाजपा के साथ लोकसभा के प्रत्याशियों के फोटो और बैनर लगाए गए हैं। साथ ही रथ पर पीएम मोदी का एक बड़ा पोस्टर भी लगाया गया है। बता दें, दक्षिण भारत से तीन बड़े रथ और एक छोटा रथ दिल्ली में प्रचार के लिए आया है। इसकी खासियत यह है कि उनकी जो छत है वह हाइड्रोलिक के जरिए काफी ऊंची उठ जाती है। इसके आलावे, इस रथ की विशेषता यह है कि इसमें काफी स्पेस भी है। ज्यादा संख्या में लोग इस रथ पर सवार हो सकते हैं। इसके साथ ही रथ के अंदर एक एसी रूम भी है। इस रथ के अंदर नेताओं के लिए काफी व्यवस्थाएं है।

मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलेगी आप: गोपाल

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलने के लिए वॉशिंग मशीन का एक नायाब अभियान शुरू किया है, जिसमें बताया जायेगा कि किस प्रकार भ्रष्टाचार के आरोपियों को बेदाग् किया जाता है।

आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को यहाँ से इस अभियान की शुरूआत की। श्री भारद्वाज ने डेमो दिखाकर बताया कि कैसे भ्रष्टाचार के आरोपियों को वॉशिंग मशीन में डालकर उनको क्लीन किया जाता है। लोगों को भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू दिखाने के लिए स्टेज पर एक तरफ बड़ी सी वॉशिंग मशीन रखी गई थी और दूसरी तरफ बड़ा सा जेल बनाया गया था। जो लोग भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हो गए, उनको ईडी ने वॉशिंग मशीन में डाल दिया और जिन्होंने समाज सेवा से पीछे हटने से इन्कार कर किया, उनको जेल में डाल दिया। श्री राय ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि यह

चुनाव हम भ्रष्टाचार से लड़ने और उसे खत्म करने के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा के इस दावे की सच्चाई क्या है? भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू क्या है? आज हमारे कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और उनकी टीम ने इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित किया। पार्टी 23 मई तक दिल्ली के अंदर नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के हर विधानसभा में जाकर इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित करेगी और भाजपा के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का असली सच जनता के सामने रखेगी।

दूसरे व्यक्ति के पासपोर्ट पर यात्री को कनाडा भेज रहे दो एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट से एक यात्री को दूसरे शख्स के पासपोर्ट पर कनाडा भेजने का मामला सामने आया है। मामले में यात्री व दो एजेंट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नवजोत, सपिन्द्र सिंह और जगदेव सिंह के रूप में हुई है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार 8 मई को एक भारतीय शख्स आईजीआई एयरपोर्ट से कनाडा जाने के लिए आया था। उसने जांच के दौरान अपना पासपोर्ट दिखाया, जिसपर हरदीप सिंह लिखा था, लेकिन इस पर लगी तस्वीर से यात्री का चेहरा मेल नहीं खा रहा था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि यह किसी अन्य शख्स का पासपोर्ट है। उसका नाम नवजोत सिंह है। इस बाबत मामला दर्ज कर आरोपी यात्री को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नवजोत ने पुलिस को बताया कि उसके गांव के कई लोग विदेश में रहते हैं। वह भी उनकी तरह अच्छी कमाई के लिए विदेश जाना चाहता था। वर्ष 2019 में डंकी रूट से कप्तान सिंह एजेंट ने उसे अमेरिका भेजा था, लेकिन मई 2020 में उसे अमृतसर डिपोर्ट कर दिया गया। इस बाबत पंजाब में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। यहां आकर वह खेती करने लगा। वह दोबारा विदेश जाना चाहता था। इस दौरान वह सपिन्द्र सिंह से मिला, जिसने 28 लाख रुपये में उसे कनाडा भेजने का वादा किया। उसने सपिन्द्र को 6 लाख रुपये नकद दिए थे। एजेंट ने उसके टिकट एवं होटल में ठहरने का बंदोबस्त किया, लेकिन वह पकड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने सपिन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। सपिन्द्र ने पुलिस को बताया कि जगदेव सिंह की मदद से उसने हरदीप सिंह के पासपोर्ट का इंतजाम किया था, जो यात्री जैसा दिखता था। इसके लिए तीन लाख रुपये उसने जगदेव को दिए थे। पुलिस ने जगदेव को भी पटियाला से गिरफ्तार कर लिया।

द्वारका डीपीएस में बढ़ी फीस ना देने पर 14 बच्चों का नाम कटा, अभिभावकों ने किया प्रदर्शन

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। डीपीएस द्वारका में इस वक्त स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के बीच रार छिड़ी हुई है। फीस जमा नहीं करने पर डीपीएस द्वारका ने 14 बच्चों का नाम काट दिया जिसके बाद अभिभावक एकजुट होकर स्कूल के बाहर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। बता दें कुछ ही दिन पहले डीपीएस द्वारका की ओर से फीस बढाई गई थी जिसके खिलाफ अभिभावकों ने आवाज भी उठाई थी लेकिन कुछ असर नहीं हुआ। अब बढ़ी फीस नहीं जमा करने पर 14 बच्चों का नाम काट दिया गया है।

डीपीएस द्वारका के 14 बच्चों का नाम काटे जाने के बाद अभिभावकों ने स्कूल के बाहर प्रोटेस्ट किया। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले को लेकर दिल्ली पैरेंट संगठन, एजुकेशन डायरेक्टर से मुलाकात कर अपनी बात रखने की तैयारी में है। द्वारका के डीपीएस स्कूल में कुछ समय पहले फीस बढ़ोतरी को लेकर पैरंट्स ने खूब प्रोटेस्ट किया था। इसके बाद इस मामले को लेकर दिल्ली पेरेंट्स एसोसिएशन शिक्षा विभाग के अलग-अलग अधिकारियों के पास भी शिकायत लेकर गया, पेरेंट्स एसोसिएशन को उस वक्त आश्वासन मिला था, बावजूद इसके समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। जिसके बाद स्कूल प्रबंधन की ये कार्रवाई देखी गई है। दिल्ली पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष अपराजिता गौतम से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को 14 बच्चे जो अलग-अलग कक्षा में पढ़ते हैं, उनके नाम स्कूल ने काट दिये।

इस बात की जानकारी मिलते ही उनके पेरेंट्स मंगलवार सुबह स्कूल के बाहर प्रोटेक्ट करने पहुंच गए, पेरेंट्स हाथों में तख्तियां लेकर स्कूल के बाहर खड़े होकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं और अपने बच्चों के दोबारा एडमिशन दिलाने की मांग कर रहे हैं। अपराजिता गौतम से मिली जानकारी के अनुसार जहां अब तक इस स्कूल में सालाना फीस 93 हजार होती थी उसे बढ़ाकर स्कूल ने 1 लाख 70 हजार कर दिया है। उनके अनुसार ये 100 फीसदी बढ़ोतरी पूरी तरह से अवैध है और शिक्षा विभाग इसमें पूरी तरह से मिला हुआ है। यही वजह है कि स्कूल मैनेजमेंट को किसी का कोई डर नहीं है। अपराजिता गौतम के अनुसार कई पेरेंट्स को शो कॉज नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने बताया कि %%इस सब मामले को लेकर शिक्षा विभाग के डायरेक्टर से मुलाकात के लिए पेरेंट्स को लेकर जाया जा रहा है। और अब पानी सर से ऊपर चला गया है जिसकी वजह से पेरेंट्स तो परेशान हैं ही, बच्चे भी मानसिक तौर पर प्रताड़ित हो रहे हैं।

स्वाति मालीवाल के आरोपों को लेकर एमसीडी सदन में हंगामा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन में मंगलवार को हंगामे के कारण निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को वर्दी की खरीद के लिए 1100 रुपये की राशि के वितरण के लिए प्रशासनिक मंजूरी और एक चिकित्सा कॉलेज के निर्माण सहित अन्य प्रस्ताव पारित नहीं हो सके। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर सदन में हंगामे की स्थिति रही।

मालीवाल ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर एक कर्मचारी ने उनके साथ 'मारपीट' की। पुलिस ने बताया कि वह (मालीवाल) सिविल लाइन्स थाने गई थीं लेकिन उन्होंने औपचारिक शिकायत नहीं दर्ज कराई। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय के सदन में प्रवेश करते ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आसन के करीब आकर केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाने लगे और घटना को लेकर उनके इस्तीफे की मांग करने लगे। नगर निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को वर्दी की खरीद के लिए 1100 रुपये, बस्ते के लिए 120 रुपये और कॉपियों व स्टेशनरी की खरीद के लिए 300 रुपये वितरित करने को प्रशासनिक मंजूरी देने के प्रस्ताव को सदन में रखा जाना था। इसके अलावा राजन बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस हॉस्पिटल परिसर में चिकित्सा कॉलेज की इमारत के निर्माण के प्रस्ताव को भी सदन में रखा जाना था। सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित किये जाने के कारण कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। विपक्षी पार्षदों ने इस मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जमकर नारेबाजी की जिस कारण कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने एमसीडी को कल्याणकारी योजना राशि को तुरंत विद्यार्थियों को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया था। 'मुख्यमंत्री आवास में महिलाओं की सुरक्षा' को लेकर चिंता जताते हुए सभी दलों के पार्षदों ने सदन में एक निंदा प्रस्ताव भी पेश किया।

दिल्ली के अस्पतालों के बाद तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी, सर्च ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्कूल, अस्पताल, एयरपोर्ट के बाद अब तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। तिहाड़ जेल के डीजी के पास ईमेल भेजा गया है। इससे, पहले आज सुबह राजधानी के पांच बड़े अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, अस्पतालों और तिहाड़ जेल में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सर्च अभियान में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। दरअसल, आज सुबह दिल्ली के दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और गुरु गोविंद सिंह अस्पताल को बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। अस्पतालों में बम रखे होने की जानकारी पुलिस को अस्पताल प्रशासन के तरफ से दी गई। वहीं, कड़कड़डूमा स्थित डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान के सुरक्षा प्रभारी वी के शर्मा ने कहा है अस्पताल परिसर की गहन जांच के बाद अस्पताल में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यहां पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौजूद है। अस्पताल का संचालन सामान्य रूप से चल रहा है। दिल्ली दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें कई अलग-अलग अस्पतालों से कॉल्स मिली है। सभी कॉल्स को वेरीफाई किया जा रहा है। बम होने की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ फायर विभाग और बम स्क्वॉड दस्ते को मौके पर भेजा गया है। इन अस्पतालों के चप्पे चप्पे की जांच की जा रही है। इससे पहले रविवार को भी दिल्ली के कई अस्पतालों में बम रखे होने की सूचना ईमेल के माध्यम से दी गई थी। तब जांच के दौरान यह सूचना फेक पाई गई थी। अस्पतालों के इस लिस्ट में वेस्ट दिल्ली का गुरु गोविंद सिंह अस्पताल भी है जहां बम रखे होने की सूचना ईमेल के माध्यम से दी गई। बता दें, इससे पहले इसी महीने की 1 तारीख को दिल्ली एनसीआर के 100 से अधिक स्कूलों में इसी तरह से ईमेल के माध्यम से बम रखे होने की जानकारी स्कूल प्रशासन को दी गई थी। हालांकि, सर्च ऑपरेशन के दौरान किसी भी स्कूल में कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला था। तब, सुरक्षा बलों की मदद से सभी स्कूलों का खाली कराया गया था। वहीं, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एक आधिकारिक बयान जारी कर ईमेल को अफवाह बताया था।

देह व्यापार से मना करने पर युवती की कर दी थी हत्या, आरोपी 16 साल बाद गिरफ्तार

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। देह व्यापार से इन्कार करने पर युवती की हत्या करने के मामले में वांछित मुख्य आरोपित वीरेंद्र सिंह को क्राइम ब्रांच ने सालों तक जांच पड़ताल के बाद गिरफ्तार कर लिया। को संदूक में डालकर आरोपित घर के दरवाजे में बाहर से ताला लगा फरार हो गया था। घटना 2007 की है तब से यानी 16 साल से आरोपित फरार था। वारदात के कुछ दिन बाद घर के अंदर से तेज बदबू आने पर कालकाजी थाना पुलिस ने घर का ताला तोड़ संदूक से युवती का सड़ा गला शव बरामद किया था। सालों तक पुलिस आरोपित को ढूंढने का प्रयास करती रही, लेकिन उसका कोई अता पता नहीं चला। अंतत: 2007 में किरायेदार सत्यापन फार्म पर आरोपित द्वारा चिपकाए गए फोटो के आधार कार्ड पर उसका पता लगा दबोच लिया गया।

डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक वीरेंद्र सिंह, वैशाली, बिहार का रहने वाला है। कालकाजी थाने में दर्ज हत्या व अन्य कई मामले में इसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। इस मामले का शिकायतकर्ता पेशे से प्रापर्टी डीलर है वह कमीशन के आधार पर मकान किराये पर देने का काम भी करता है। दो जून 2007 को वीरेंद्र सिंह ने किराए के घर के लिए शिकायतकर्ता से संपर्क किया था। जिसपर उन्होंने वीरेंद्र सिंह तीन हजार एडवांस लेकर घर दिलवा दिया था। वीरेंद्र सिंह युवती के साथ अगले ही दिन घर में शिफ्ट कर गया था। वीरेंद्र ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया कि वह शेष पैसे अगले दिन दे देगा। अगले दिन जब शिकायतकर्ता ने शेष राशि के लिए वीरेंद्र सिंह से संपर्क किया तो उसने यह कहकर टाल दिया कि वह दो तीन दिन के लिए दिल्ली से बाहर है। इसी बीच यह हादसा हो गया। सात जून 2007 को शिकायतकर्ता जब वीरेंद्र सिंह के आवास पर गए तो वहां ताला लगा हुआ था और अंदर से दुर्गंध आ रही थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दे दी। दरवाजा खोलने के बाद घर में एक बड़ा ट्रंक मिला जिसमें युवती का शव था।

कालकाजी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के बाद शंकर घोष को गिरफ्तार कर लिया। वीरेंद्र सिंह फरार था। मामला दर्ज होने के समय एएसआइ रमेश की तैनाती कालकाजी थाने में थी वह उस दौरान उक्त क्षेत्र के बीट अधिकारी थे, जहां हत्या हुई थी। उन्होंने वीरेंद्र सिंह का पता लगाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिला क्योंकि वह बार-बार स्थान बदल रहा था। कुछ समय बाद एएसआइ रमेश का वहां से तबादला हो गया और 2017 में उन्हें फिर से कालकाजी में तैनात किया गया। उन्होंने पता किया तो वीरेंद्र सिंह को फरार ही पाया गया। इस पर उन्होंने फिर से अन्य व्यक्तियों के माध्यम से वीरेंद्र सिंह के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देह व्यापार के धंधे में शामिल था। जांच से पता चला कि वीरेंद्र सिंह हरियाणा के पानीपत में छिपा हुआ है। वहां छापे मारे गए, लेकिन कोई पता नहीं चल सका क्योंकि वह बार-बार अपना किराए का मकान बदल रहा था। बीते फरवरी में एएसआइ रमेश को एंटी गैंग्स स्क्वाड, क्राइम ब्रांच में तैनात किया गया। इसके बाद उन्होंने फिर मामले को चुनौती के रूप में लिया और एसीपी नरेश कुमार, इंस्पेक्टर पवन कुमार व विकास पन्नू के नेतृत्व में फिर से इस पर काम करना शुरू कर दिया। उनके पास आरोपित द्वारा 2007 में जमा किए गए किरायेदार सत्यापन फार्म की एक प्रति थी जिसमें वीरेंद्र की पुरानी तस्वीर थी। उन्होंने फिर कालकाजी और गोविंदपुरी इलाके से जानकारी जुटानी शुरू की तो पता चला कि आरोपत दिल्ली के रोहिणी के विजय विहार इलाके में छिपा हुआ है। एएसआइ रमेश ने सख्ती से काम करने के बाद आरोपित के सभी पिछले पतों का सत्यापन किया।

नारायणा फ्लाईओवर पर एक ज्वाइंट को ठीक करने में लगे 12 दिन

नई दिल्ली। नारायणा फ्लाईओवर पर चल रहे मरम्मत कार्य से लाखों वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर तय लक्ष्य के मुताबिक 21 मई तक तीनों ज्वाइंट के मरम्मत कार्य होने हैं, लेकिन कार्य की गति देखकर ऐसा होने की संभावना कम ही है। अभी तक पीडब्ल्यूडी ने सिर्फ एक ज्वाइंट को ठीक किया है। बुधवार तक दूसरे ज्वाइंट का मरम्मत कार्य पूरा होने की उम्मीद है, वहीं तीसरे ज्वाइंट पर अभी खुदाई का कार्य चल रहा है। ऐसे में अभी वाहन चालकों की परेशानी कम होने वाली नहीं है। जानकारी के अनुसार धौला कुआं से मायापुरी जाने की दिशा में नारायणा फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी ने 20 दिन के भीतर यहां तीनों ज्वाइंट के मरम्मत कार्य का दावा करते हुए ट्रैफिक पुलिस से फ्लाईओवर बंद करने के लिए कहा था। सूत्रों ने बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद इसे सूखने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में फ्लाईओवर खुलने में 25 मई तक का समय लगने की संभावना है। यहां मरम्मत कार्य के चलते वाहन चालकों को लगभग दो किलोमीटर तक जाम का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाईओवर के दूसरी तरफ व्यस्त समय में दोनों दिशाओं का ट्रैफिक चलाया जा रहा है, जिससे कुछ राहत है। फिर भी यहां लोगों को तीन किलोमीटर का सफर तय करने में 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है।

एक नजर

अस्पताल कर्मचारियों में चुनाव ड्यूटी भुगतान न होने से रोष

गाजियाबाद। महिला अस्पताल कर्मचारियों में निर्वाचन ड्यूटी का भुगतान नहीं होने से रोष व्याप्त है। स्टाफ ने इस संबंध में सीएमएस से शिकायत की है। सीएमएस ने कोषाधिकारी को पत्र लिखा है। सीडीओ ने भी भुगतान का निर्देश जारी किए है। जिले में 26 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। महिला अस्पताल से 22 कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान में लगाई गई थी। कर्मचारियों के अनुसार महिला अस्पताल के किसी भी कर्मचारी का भुगतान अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि अन्य सभी का भुगतान हो चुका है। इस संबंध में सीडीओ और कोषाधिकारी से वार्ता की गई तो पता चला कि किसी त्रुटी के कारण महिला अस्पताल के कर्मचारियों का भुगतान बैंक की ओर से रिजेक्ट किया गया है। इस संबंध में महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने कोषाधिकारी को पत्र लिखकर शीघ्र भुगतान करवाए जाने की मांग की है। वहीं, इस मामले में सीडीओ अभिनव गोपाल ने ऐसे सभी कर्मचारियों को जिनका भुगतान नहीं हो सका है, उन्हें अपनी पूरी डिटेल कोषाधिकारी के पास जमा करने के निर्देश दिए हैं, जिससे त्रुटी को दूर करके भुगतान किया जा सके।

गंगनहर में स्नान पर लगे अस्थाई प्रतिबंध का विरोध

मुरादनगर। पुलिस और प्रशासन द्वारा गंनगहर में नहाने पर लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध का विरोध शुरू हो गया है। शनि मंदिर के महंत ने पुलिस पर श्रद्वालुओं से अभद्रता का आरोप लगाते हुए एक वीडियो जारी किया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया गया है। गंगनहर में एक सप्ताह में पांच युवकों की मौत हो चुकी है। नहर में डूबकर लगातार हो रहे हादसे को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सख्ती की है। एसीपी नरेश कुमार ने घाट पर नहाने में अस्थाई तौर पर प्रतिबंध लगा दिया। मंगलवार को नहर में नहाने के लिए किसी को भी नहीं जाने दिया गया। पुलिस का कहना है कि दिल्ली, साहिबाबाद, लोनी सहित अन्य स्थानों के लोग शराब पीकर नहर में नहाते हैं और हादसा हो जाता है। वहीं, मंहत मुकेश गोस्वामी ने एक वीडियो में कहा है कि यह गलत है। पुलिस मंदिर में आने वाले लोगों से भी गलत व्यवहार कर रही। मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारियों से इसकी शिकायत करेंगे। एसीपी का कहना है कि नहर में नहाने के लिए लोगों को रोका जा रहा। श्रद्धालु पूजा करने जा सकते हैं, उन पर कोई रोक नहीं है।

गाजियाबाद शूटिंग क्लब के निशानेबाजों ने मेरठ में 19 पदक जीते

गाजियाबाद। गाजियाबाद शूटिंग क्लब के निशानेबाजों ने मेरठ के पल्हैड़ा में डिस्ट्रिक्ट शूटिंग रेंज चौथी द्रोणाचार्य शूटिंग चैंपियनशिप में 19 पदक जीते। यह प्रतियोगिता 10 से 13 मई तक हुई थी। मंगलवार को विजेता खिलाड़ियों को रालोद नेता राजकुमार सांगवान ने सम्मानित किया। गाजियाबाद शूटिंग क्लब के 25 शूटर ने प्रतिभाग किया था। इसमें अवनीश सिंह ने सबसे अधिक पांच पदक जीते। साथ ही ट्रॉफी और नगद राशि भी जीती। लिटिल चैंपियन में रुद्र चौधरी ने 300 में से 295 स्कोर कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अर्जुन त्यागी ने अंडर 14 श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया। शूटिंग क्लब की महिला खिलाड़ी काजल त्यागी, सिमरन वर्मा और श्वेता चौधरी ने 50 मीटर फ्री पिस्टल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। श्वेता चौधरी ने 50 मीटर पिस्टल इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं टीम 50 मीटर फ्री पिस्टल में राकेश शर्मा, अवनीश सिंह, ऋषभ त्यागी ने स्वर्ण पदक जीता। जूनियर वर्ग में अर्जुन त्यागी और रजत यादव ने रजत पदक जीता। गाजियाबाद शूटिंग क्लब के असिस्टेंट कोच राकेश शर्मा ने बताया की सभी शूटर 20 मई से मध्य प्रदेश में होने वाली इंडिया ओपन शूटिंग चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं।

दस दिन पूर्व लापता हुई किशोरी मिली

मुरादनगर। एक कॉलोनी से दस दिन पूर्व लापता हुई किशोरी की पुलिस ने तलाश कर ली। उसे ले जाने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने कृष्णा निवासी मेरठ पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार सुबह बस स्टैंड से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ जारी है।

ट्रेन में पत्नी से छेड़छाड़ के विरोध पर सिर फोड़ा

मोदीनगर। हरिद्वार पैसेंजर ट्रेन में पत्नी से छेड़छाड़ के विरोध पर आरोपियों ने युवक का सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है। नगर की एक कॉलोनी में पीड़ित परिवार सहित रहता है। पति-पत्नी एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। युवक ने बताया कि वह पत्नी के साथ सोमवार रात को हरिद्वार पैसेंजर से घर लौट रहा था। मुरादनगर रेलवे स्टेशन से आगे ट्रेन में मौजूद चार-पांच युवकों ने पत्नी से छेड़छाड़ की। विरोध पर लड़ने लगे। अन्य यात्रियों ने मामला शांत करा दिया। आरोप है कि जब वह मोदीनगर रेलवे स्टेशन से बाहर निकले और आरोपियों ने ईंट मारकर सिर फोड़ दिया। पत्नी ने उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराकर मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

हीट वेव से निपटने की तैयारियों में जुटा स्वास्थ्य महकमा

- जिला अस्पताल में छह, सीएचसी पर चार बेड रिजर्व, बनाए गए कोल्ड रूम
- सीएमओ कार्यालय ने ली तैयारियों की जानकारी, बुधवार के बाद लू चलने का पूर्वानुमान

नोएडा, एजेंसी। हीट वेव से निबटने के लिए स्वास्थ्य महकमा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 16 मई से हीट वेव शुरू होने की संभावना को देखते हुए जिला संयुक्त के अलावा सीएचसी स्तर पर भी बेड रिजर्व किए गए हैं। सरकारी अस्पतालों में कोल्ड रूम बनाए गए हैं। यहां लू की चपेट में आए मरीजों को इलाज मिलेगा।

सीएमओ कार्यालय ने मंगलवार को हीट वेव से निबटने के लिए तैयारियों का जायजा लिया। प्रभारी अधिकारी डॉ. अमित कुमार ने बताया कि कोल्ड रूम में मरीजों के लिए बर्फ की सिकाई के अलावा शरीर का तापमान सामान्य करने के लिए व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए दवाएं और ओआरएस पाउडर का स्टॉक भी तैयार है। जिला अस्पताल के अलावा सीएचसी पर भी मरीजों को इलाज मिल सकेगा। सभी अस्पतालों को निर्देश हैं कि हीट वेव का कोई भी केस आने पर तुरंत सीएमओ कार्यालय को सूचना भेजी जाए, जिससे मरीज को इलाज मिलना सुनिश्चित कराया जा सके। सीएमओ डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने भी मंगलवार को मरीजों की संख्या और तैयारियों को लेकर जानकारी ली। मंगलवार तक कोई भी मरीज इलाज के लिए पूरे जिले में नहीं पहुंचा है।

जिला संयुक्त अस्पताल में इमरजेंसी में ओआरएस काउंटर बनाए जाने की जानकारी तो ओपीडी से लेकर पूरे परिसर में नोटिस चस्पा कर दे दी गई है। वहीं, जब सीएमओ कार्यालय की टीम तैयारियां देखने के लिए पहुंची तो इमरजेंसी में ओआरएस पाउडर नहीं मिला। वहीं, किसी भी स्टाफ ने नहीं बताया कि 24 घंटे चलने वाला काउंटर कहां है? ऐसे में यह तैयारियों पर भी सवाल खड़े करता है। राजस्थान की तरफ से शुष्क और गर्म हवाएं चलते ही मंगलवार को ही अधिकतम तापमान 41 डिग्री पर पहुंच गया। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि शुक्रवार तक यह 43 डिग्री के ऊपर पहुंच जाएगा। रात के समय भी न्यूनतम तापमान 22.3 डिग्री रहा। दिन के समय अभी तापमान लगातार बढ़ने का पूर्वानुमान मौसम विभाग का है। शुक्रवार को दिन के समय तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने करवाई बीयू-सीयू-वीवीपैट की सप्लिमेंट्री रेंडेमाईजेशन

फरीदाबाद। बीयू-सीयू तथा वीवीपैट की सप्लिमेंट्री रेंडेमाईजेशन करवाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि 16 व 18 मई को 85 प्लस आयुवर्ग तथा दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग करवायेंगे। उन्होंने बताया कि जिन 85 प्लस व दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग के लिए आवेदन किया था, उनकी घर जाकर वोट डलवाई जाएगी। लघु सचिवालय में मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बीयू-सीयू तथा वीवीपैट की सप्लिमेंट्री रेंडेमाईजेशन करवाई गई। उन्होंने विस्तार से यूनिट रेंडेमाईजेशन की जानकारी दी।

ईवीएम प्रथम सप्लिमेंट्री रेंडेमाईजेशन के अंतर्गत 2103 बीयू तथा 218 सीयू और 227 वीवीपैट की रेंडेमाईजेशन की गई। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि मतदाताओं के साथ चुनावी ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को भी मतदान का अवसर मिलेगा, जिसके लिए कर्मियों इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट इडीसी प्रदान किये गये हैं। ऐसे में यदि कहीं पर शत-प्रतिशत मतदान होता है तो इडीसी मतदान को मिलाकर उसमें बढ़ोतरी होगी, जिसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा मतदाताओं से अपील भी की कि वे किसी किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। हर खबर की प्रामाणिकता अवश्य जांचें। साथ ही उन्होंने बताया कि होम वोटिंग के लिए दो दिन निर्धारित किये गये हैं। पहला दिन 16 मई है। इस दिन आवेदन करने वाले 85 प्लस तथा दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान का अवसर दिया जाएगा।

राष्ट्रहित में करें अपने वोट के अधिकार का प्रयोग- गंगाशंकर

शोएब आलम, संद्भावना टुडे

फरीदाबाद। स्वावलंबी भारत अभियान के तत्वावधान में मंगलवार को सेक्टर दो स्थित चहल चौक पर समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसका विषय मतदाता परिष्कार रहा। बैठक में आरएसएस के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख गंगाशंकर मिश्र ने उपस्थित लोगों को मतदान के प्रति जागरुक किया। उन्होंने कहा कि जब जब राष्ट्र को आवश्यकता होती है। तब तब समाज का प्रबुद्ध वर्ग राष्ट्रहित में निकल कर सामने आता है और राष्ट्र को संबल प्रदान करता है और उसे सशक्त बनाता है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक एक श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिसमें प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ मिलकर सौ प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए कहा जा रहा है। इसके साथ ही लोगों को बताया जा रहा है कि आपका मत बहुत कीमती है। इसके उचित प्रयोग से राष्ट्र का हित हो सकता है और अनुचित प्रयोग से अहित को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में लोगों की प्रतिक्रियाएं बहुत ही सकारात्मक हैं। इस अवसर पर स्वावलंबी भारत अभियान के संयोजक डॉ अश्वनी गौड ने कहा कि बीते जमाने में हमारे मत डालने का अधिकार सुरक्षित नहीं था।

भूमि दिलाने का झांसा देकर एक करोड़ हड़पे

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

नोएडा। एक कंपनी के पार्टनर ने प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली में 60 करोड़ रुपये में भूमि बेचने का झांसा देकर एक करोड़ रुपये ठग लिए। इसके लिए उसने कंपनी को जमीन के फर्जी दस्तावेज भी दिखाए। इस मामले में न्यायालय के आदेश पर आरोपी के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज हुआ है। सेक्टर-12 स्थित मेसर्स एसोटेक लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि राधेश्याम शर्मा ने न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि ब्लू वाटर इंटरप्राइजेज के पार्टनर सत्यप्रिय लखोटिया मार्च 2014 में उनके कार्यालय में आए और कंपनी के एमडी एवं अन्य उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। सत्यप्रिय ने बताया कि उनके संपर्क में दिल्ली के कुछ भू स्वामी हैं, जिनके पास काफी भूमि है और वह उसे बेचना चाहते हैं।

अगर उनकी कंपनी उस भूमि पर प्रोजेक्ट लाती है तो उससे काफी लाभ होगा। एक अप्रैल 2014 को सत्यप्रिय कंपनी के कार्यालय पर दोबारा आए और संबंधित पदाधिकारी के साथ मीटिंग करते हुए जमीन के दस्तावेज की फोटो कॉपी भी दिखाई। भूमि के दस्तावेज की फोटो कॉपी देखने के बाद कंपनी के एमडी और उच्च अधिकारियों ने उसके लुभावने वादों पर विश्वास करते हुए एक अप्रैल को ही एमओयू संपादित कर दिया। इसके

तहत कुल 60 करोड़ की भूमि के क्रय के संबंध में सत्यप्रिय को इसका दस प्रतिशत देने की बात तय हुई। बतौर एडवांस उसको कंपनी की ओर से एक करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। इस दौरान यह भी तय हुआ कि आरोपी ने भूमि की, जो फोटोकॉपी दिखाई थी, उसकी मूल प्रति लेकर जल्द ही कंपनी के कार्यालय में आएगा। काफी दिन तक सत्यप्रिय न तो खुद कंपनी में आया और न ही संबंधित भूमि के मालिकों को कंपनी में लाया। वादे के अनुसार उसने भूमि के मूल दस्तावेज भी नहीं सौपें। दस्तावेज के सवाल पर वह लगातार टालमटोल करता रहा। सत्यप्रिय के पिता के साथ शिकायतकर्ता की कंपनी के पुराने व्यावसायिक संबंध रहे हैं। काफी समय तक जब सत्यप्रिय ने मूल दस्तावेज नहीं सौपें तो कंपनी के एमडी और पदाधिकारी को उस पर शक होने लगा। जब मामले की छानबीन की गई तो पता चला की सत्यप्रिय का किसी भी भूस्वामी से संपर्क नहीं है। जिस भूमि की उसने फोटोकॉपी दिखाई थी, वह पूरी तरीके से फर्जी थी। आरोपी ने एक करोड रुपए हड़पने के लिए ही ऐसा किया था। दावा यह भी है कि वर्तमान में एक करोड़ की, जो राशि दस साल पहले दी गई थी, वह ब्याज सहित छह करोड़ 78 लाख हो गई है। कंपनी के एमडी समेत अन्य पदाधिकारी ने जब आरोपी से पैसे वापस मांगे तो उसने पैसे वापस करने से इनकार कर दिया। साथ ही, उसने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी पीड़ित की कंपनी के एमडी और पदाधिकारी को दी। शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत पूर्व में स्थानीय थाने की पुलिस से की थी पर कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उसने न्यायालय की शरण ली। इस मामले में अब कोर्ट के आदेश पर आरोपी सत्यप्रिय के खिलाफ धोखाधड़ी समेत चार धाराओं में केस दर्ज हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस नामजद आरोपी से पूछताछ करने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

फरीदाबादः लायक बेटे की तरह की फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की सेवा- कृष्णपाल गुर्जर

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने मंगलवार को अपने चुनावी अभियान के तहत गांव चांदपुर, मिर्जापुर, घरोड़ा, मंझावली, चीरसी, कांवरा कलां, महावतपुर, फरीदपुर में जनसंपर्क कर सभाओं को संबोधित किया। गांवों में सभाओं के दौरान श्री गुर्जर का ग्रामीणों ने पगड़ी बांधकर स्वागत कर उन्हें विजयी बनाने का आश्वासन दिया। सभाओं को संबोधित करते हुए कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि तिगांव क्षेत्र के लोगों के आर्शीवाद और प्यार की बदौलत ही आज वह इस मुकाम पर है। उन्होंने कहा कि 2009 में जब वह तिगांव से चुनाव लड़े थे तो यहां की जनता ने उन्हें मतरुपी आर्शीवाद देकर जिताकर विधानसभा में भेजा था, अगर उस दौरान वह विधायक नहीं बनते तो शायद देश की सबसे बड़ी पंचायत में नहीं पहुंचते। श्री गुर्जर ने कहा कि हमने दस सालों में व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है, तिगांव क्षेत्र की बात की जाए तो यहां नए सिरे से सडक़ों का निर्माण किया गया वहीं कालोनियों में सीवरेज लाईन व पानी इत्यादि की व्यवस्था करवाकर लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई।

मंझावली पुल पर बोलते हुए गुर्जर ने कहा कि हम किसानों की सहमति से जमीन लेते है, पहले रेट तय करते है, फिर जमीन लेते है और 300 लोगों से जमीन ली गई और जमीन लेने में हुई देरी के चलते पुल निर्माण में विलंब हुआ, लेकिन अब पुल पर रोड़ी डलनी शुरू हो गई है और एक महीने के अंदर यह पुल जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। गुर्जर ने कहा कि यह चुनाव देश की एकता, अखंडता तथा प्रभुत्ता का चुनाव है, इसलिए इस चुनाव में भ्रष्टाचारियों को वोट की चोट से करारा जवाब देकर देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी की सरकार बनानी है ताकि विकास का पहिया ऐसे ही पूरे देश में चलता रहे। इस पुल के बनने से ग्रेटर नोएडा परी चौक तक सिर्फ 20 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। इस मौके पर सूरजपाल भूरा सरपंच, रघुराज सरपंच, हरेंद्रपाल राणा, राजेश सरपंच कौराली, ताराचंद सरपंच, विक्रम सरपंच, कमल सरपंच, खेमी सरपंच, बृजभान भाटी सरपंच, जैजू ठाकुर सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

सीए बनकर माता-पिता का सपना पूरा करना चाहती हैं आद्या

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में इंटरमीडिएट की छात्रा आद्या कालिया ने कॉमर्स स्ट्रीम में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से स्कूल टॉप किया है। उन्हीं के साथ भव्या अग्रवाल ने भी 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। क्रॉसिंग रिपब्लिक निवासी आद्या का अगला लक्ष्य दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम करना है। प्रसिद्ध साहित्यकार रवींद्र कालिया और ममता कालिया की पोती आद्या सीए बनकर अपने माता-पिता का सपना पूरा करना चाहती हैं। उनके पिता प्रबुद्ध कालिया व्यवसायी हैं और मां शिखा कालिया गृहिणी हैं। कितने घंटे नियमित पढ़ाई के सवाल पर आद्या कहती हैं कि टाइम नहीं क्वालिटी मैटर करती है। इसीलिए जितना पढ़ें मन लगाकर पढ़ें। आद्या ने बिना कोचिंग यह सफलता पाई है। वह सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करती हैं। आद्या अपनी दादी की लाडली हैं। आद्या के अलावा स्कूल की एंजल गौतम ने 95.4 प्रतिशत के सात ह्यूमेनिटीज और नित्यांश पंत ने 95.2 प्रतिशत के साथ साइंस में स्कूल टॉप किया है।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

ग्रेटर नोएडा। अमरपुर गांव में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया। इस मामले में विवाहिता के पिता ने आरोपी पक्ष के 20 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दनकौर निवासी सुशील ने पुलिस को बताया कि उन्होंने वर्ष 2017 में अपनी बेटी की शादी अमरपुर गांव के रहने वाले अंकुश के साथ की थी। शादी में स्कॉर्पियो गाड़ी और पांच लाख रुपये समेत अन्य सामान दहेज में दिया था। उनकी बेटी के दो बच्चे हैं। शादी के बाद से विवाहिता को अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। रिश्तेदारों की मदद से ससुराल पक्ष के लोगों को समझाया गया, लेकिन वे नहीं माने। आरोपी दहेज में फॉर्च्यूनर गाड़ी और 21 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर सोमवार को आरोपियों ने उनकी बेटी

बताई। इसके बाद मायके पक्ष के लोग बेटी की ससुराल पहुंच गए। आरोप है कि आरोपियों ने मायके पक्ष के लोगों को भी बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान विवाहिता के दो भाइयों को काफी चोटें आईं। इस मामले में विवाहिता के पिता ने ससुराल पक्ष के 10 नामजद और 10 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। ईकोटेक वन कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीएनजी भरवाने को लेकर हुए विवाद में युवक को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में कथित तौर पर सीएनजी भरवाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

उसने बताया कि घटना सोमवार देर रात ईकोटेक-तीन थाना क्षेत्र के खेड़ा चौगानपुर में सीएनजी फिलिंग स्टेशन की है जब गाजियाबाद के गांव रिस्तल का निवासी अमन (22) सीएनजी भरवाने के लिए यहां पहुंचा था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सीएनजी भरवाने के लिए कतार में लगने को लेकर अमन का विवाद गांव खैरपुर गुर्जर के निवासी अजय से गया, जिस पर अजय ने अपने दोस्त अंकुश और ऋषभ के साथ मिलकर अमन से मारपीट शुरू कर दी और उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। उन्होंने बताया कि अमन को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि परिजनों की

शिकायत पर प्रासंगिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अजय और खेड़ा चौगानपुर निवासी ऋषभ को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अजय की कार से वारदात में इस्तेमाल डंडा भी बरामद कर लिया है और तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

नियमों के तहत चुनाव प्रचार-प्रसार करें उम्मीदवार: विक्रम सिंह

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार निर्वाचन आयोग की हिदायतों की पालना सुनिश्चित करें। भारत निर्वाचन आयोग के नियमों की अवहेलना करने पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि लाउड स्पीकरों का प्रयोग निर्वाचन आयोग, भारत सरकार के नियमों के अधीन करें तथा आवाज धीमी रखें और इसका उपयोग न्यायालय एवं कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए करें।

लाउड स्पीकर बजाने की अनुमति रात्रि 10.00 बजे तक ही मान्य होगी। प्रार्थी को ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी सरकार की हिदायतों की पूर्ण पालना करनी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि उम्मीदवार अपने कार्यालय का खर्चा अपने रजिस्टर में दर्ज करें और कोई टेंट लगाया है, तो उसका भी खर्चा रजिस्टर में दर्ज करना सुनिश्चित करें। कार्यालय पर कोई गैर कानूनी अवैध कार्य नहीं किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोकसभा चुनाव-2024 की आदर्श आचार संहिता की उम्मीदवार द्वारा पूर्ण पालना की जानी अनिवार्य है। अगर 20 से ज्यादा आदमी आने की

सम्भावना हो तो उसकी सूचना लोकल पुलिस विभाग को देनी होगी तथा भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पर्याप्त मात्रा में स्वयं सेवकों की नियुक्ति उम्मीदवार द्वारा की जायेगी। कार्यालय पर आने वाले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। मुख्य मार्ग का अवरोध नहीं किया जाए। उम्मीदवारों द्वारा ऐसा कोई उपकरण नहीं बजाना होगा, जिससे किसी प्रकार की जनहानी होने का अन्देशा हो। वहीं निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार सभी प्रकार की यातायात व्यवस्था स्वयं करें। प्रार्थी द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने से पूर्व अग्निशमन सम्बन्धी सभी उपकरणों का जिला अग्निशमन अधिकारी से निरीक्षण करवाकर प्रमाण पत्र लेना होगा। यदि दी गई उपरोक्त शर्तों का उम्मीदवारों द्वारा पालन नहीं किया जाता है, तो उसकी अनुमति किसी भी समय बिना नोटिस दिए रद्द की जा सकती है। जनहित में उम्मीदवार की अनुमति कभी भी समाप्त की जा सकती है।

मोदी बनाम मुद्दा बना चुनावी विमर्श

तनवीर जाफ़री

देश में 18वीं लोकसभा निर्वाचित करने का चुनावी दौर जैसे जैसे आगे बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे चुनावी माहौल में भी तल्ख़ी बढ़ती जा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से ऐसी तमाम बातें सुनी जा रही हैं जिसकी देश के प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति से उम्मीद भी नहीं की जा सकती। वैसे तो प्रधानमंत्री पद पर बैठते ही मोदी ने अपने बड़पोलेपन और झूठ से देश और दुनिया को आश्चर्य चकित करना शुरू कर दिया था। परन्तु उससे भी बड़े आश्चर्य की बात तो यह कि उन्होंने अपने इस बड़पोलेपन, झूठ और अवैज्ञानिक बातों पर विराम लगाने के बजाये इसे और भी बढ़ाना शुरू कर दिया। शायद उन्होंने देश की जनता को मूर्ख और अनपढ़ समझ रखा था। नाली से गैस निकालकर चाय बनाना, ट्रैक्टर के ट्यूब में गोबर गैस भरकर उससे इंजन चलाकर खेतों की सिंचाई करना, बादल में रडार का काम न करना जैसी अनेक बेतुकी व तथ्यविहीन बातें बोलकर प्रधानमंत्री ने अपने पद की गरिमा को दाग़दार किया। इसके अतिरिक्त उनका दूसरा प्रिय मिशन रहा गांधी नेहरू परिवार का निम्न स्तर तक विरोध, कांग्रेस मुक्त भारत की उनकी दिली मनोकामना, मुसलमानों का हद दर्जे तक विरोध और विपक्षी नेताओं विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा बोली गयी बातों को अपनी सुविधा के हिसाब से ट्विस्ट देना और बात का बतंगड़ बना देना। मिसाल के तौर पर राहुल गाँधी ने 21 मार्च को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित करते हुये कहा था, कि ''हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। बाद में उन्होंने %शक्ति % शब्द की और व्याख्या करते हुये कहा कि - वह शक्ति क्या है? हमारी लड़ाई 'नफ़रत भरी आसुरी शक्ति' के ख़िलाफ़ है। 'हमारी आसुरी शक्ति से लड़ाई हो रही है, नफ़रत भरी आसुरी शक्ति से। 'परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'शक्ति' शब्द का प्रयोग अपनी सुविधानुसार करते हुये कहा कि %उनके लिए हर मां-बेटी 'शक्ति' का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाज़ी लगा देंगे। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिससे यह साबित होता है कि मोदी सिर्फ़ फ़ुज़ूल की बातों में लोगों को उलझाकर जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।

परन्तु 2024 के इस ऐतिहासिक चुनाव में इंडिया गठबंधन के नेता विशेषकर राहुल व प्रियंका गांधी अपने चुनाव प्रचार अभियान को जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित करने में पूरी तरह सफल रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि कांग्रेस नेता, मोदी की घटिया व निम्नस्तरीय बातों से भी लोगों को अवगत कराकर यह बताने में भी सफल रहे हैं कि जनता से मोदी का निरर्थक इकतरफ़ा संवाद दरअसल जनता का ध्यान भटकाने के लिये है। और यह भी कि प्रधानमंत्री कि इस तरह की संवाद शैली देश के प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अशोभनीय है तथा देश की बदनामी का सबब भी है। साथ ही विपक्ष जनता को यह बताने में भी कामयाब हुआ है कि किस तरह मोदी फ़ुज़ूल की बातों में लोगों को उलझाकर और लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ कर जनसरोकार से जुड़ी वास्तविक समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकने की कोशिश कर रहे हैं। जब मोदी कहते हैं कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में देश के लिये कुछ बनाया ही नहीं तो प्रियंका गाँधी उसके जवाब में मोदी से ही पूछ रही हैं कि जिन दर्जनों सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी एस यू) को आप अपने चंद मित्रों के हवाले कर रहे हैं वह कांग्रेस के नहीं तो किसके बनवाये हुये हैं? विपक्ष मोदी से उन्हीं के वादों को याद दिलाते हुये यह भी पूछ रहा है कि 10 साल पहले आपने लोगों के खाते में 15 लाख रुपये डालने को कहा था, वह क्यों नहीं आये? जबकि चंद पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये क़र्ज़ मुआफ़ कर दिये गये? कहाँ हैं आपके वादे के 10 वर्ष पूर्व घोषित किये गये 100 स्मार्ट सिटी? कहाँ हैं आपके वादों के 2 करोड़ रोज़गार? 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वचन कहां गया?

आर जे डी नेता तेजस्वी यादव ने तो अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक नये तरीक़े का प्रयोग किया। उन्होंने पूर्व में नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से किये गए वादों का एक ऑडियो उन्हीं की आवाज़ में अपनी जनसभा में सुना डाला। अपनी तरह का यह अनूठा प्रयोग था। मोदी को उन्हीं के वादों की याद दिलाकर उन्हें कटघरे में खड़ा करना कितना विपक्ष के लिये कितना कारगर साबित हो रहा है इसका अंदाज़ा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे लहजों व उनके द्वारा उठाये जा रहे निरर्थक व बचकाना क़िस्म के मुद्दों से लगाया जा सकता है। कभी कहते हैं कि कांग्रेस के लोग मटन बनाने का मौज ले रहे हैं। कभी बोलते हैं कि अगर आपके पास दो भैंस है तो कांग्रेस उसमें से एक भैंस छीन कर ले जाएगी। कभी कांग्रेस व विपक्षी गठबंधन को हिन्दू विरोधी बताते हुये कहते हैं कि यह हिन्दू धर्म को ख़त्म करना चाहते हैं। तो कभी यह कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो क्रिकेट टीम में मुसलमानों को भर देगी। यहाँ तक कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो बहनों का मंगल सूत्र छीन लेगी और आपका सोना ले लेगी। यानी अजीब अजीब सी बदहवासी भरी बातें जिसका राजनीति से कोई वास्ता ही नहीं, इसतरह की बातें कर वह उन सवालों से बचना चाहते हैं जो जनता के वास्तविक सवाल हैं। नरेंद्र मोदी के फ़ुज़ूल, निम्नस्तरीय, ग़ैर राजनैतिक व साम्प्रदायिक विद्वेष से भरे बयान निश्चित रूप से इस बात का सुबूत हैं कि वे विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों के सामने बौखला से गए हैं। जब कांग्रेस व इण्डिया गठबंधन सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना ख़त्म कर सैनिकों की पूर्ववत भर्ती करने की बात करती है तो देश के युवाओं में उम्मीद जगती है। किसानों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य का क़ानून बनाने की बात कर विपक्ष किसानों में आस जगाता नज़र आता है। कांग्रेस पार्टी की 5 गारंटी ने तो नरेंद्र मोदी को इतना असहज कर दिया है कि वह बौखला कर कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बताने लगे हैं। बेशक यह हालात इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनावी विमर्श को मोदी बनाम मुद्दा बनाने में पूरी तरह कामयाब रहा है।

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में अपने कार्यकाल (1997-2002) के दौरान मैंने देश के लिए एक वन अग्निशमन रणनीति तैयार की थी और इनसे होने वाले वार्षिक नुकसान की गणना की। मैंने इंडोनेशिया के बागोर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया था, उस वक्त 1999 में देश के कोयला खान युक्त वनों में आग लगी थी। इस बैठक में सर्वसम्मति बनी कि आग लगने पर बुझाने के यत्न करने से बेहतर है रोकथाम के उपाय पहले करके रखना क्योंकि एक बार आग ने दावानल का रूप धर लिया तो कितनी भी मशीनरी और संसाधन झोंक दें, काबू पाना असंभव है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वर्ष 2001 में नए दिशा-निर्देश जारी किए और आग बुझाने के तरीकों में हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने का विचार त्याग दिया। वह इसलिए भी कि भारत में कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जितने विशालकाय जंगल नहीं हैं, और वहां पर अग्निशमन के लिए हवाई जहाजों से विशेष झाग बरसाने के साथ उपकरणों से लैस तगड़ी अग्निशमन कार्रवाई की जाती है। तब यह निर्णय लिया गया कि भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग को उपग्रह का इस्तेमाल करने के लिए विशेष फंड दिया जाए ताकि आग की शिनाख्त होते ही संबंधित विभाग को तुरंत सतर्क किया जा सके। यह तरीका आज भी अमल में है, तदनुसार आग की घटना का पता चलते ही भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग संबंधित कर्मियों को सूचना देता है। प्रत्येक वन संभाग को नवम्बर माह से पहले आग लगने की संभावित जगहों और उसके आसपास की जमीन पर फैली अग्नि ग्राह्य सामग्री को हटाना, उपकरण एवं मशीनरी की जांच और मरम्मत कर तैयार-बर-तैयार रखना होता है।

रोकथाम की पूर्व तैयारी से थमेगी वनों की आग

वीके बहुगुणा

पिछले बरसों की भांति इस साल भी भारत के विभिन्न इलाकों के जंगल में आग धधक रही है। उत्तराखंड में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है जहां पर हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगी हुई है। पहाड़ी सूबों के जंगलों में लगी आग के कारण स्थिति संकटमयी हो गई है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि भारत में नवम्बर और जून माह के बीच वनों में आग लगती रहती है। इसकी रोकथाम के लिए यथेष्ट तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि घटना घटने पर लपटों पर तुरत-फुरत काबू पाया जा सके। यह भी हकीकत है कि इस समस्या से निपटने में प्रशासन को खासी मुश्किलें आड़े आती हैं। अधिकारी अपनी जिम्मेवारी से बचने के लिए आग लगने का दोष शुष्क मौसम या असामाजिक तत्वों पर डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं। उत्तराखंड और भारत में अन्य जगह वनीय अग्निकांड का प्रबंधन करने में सरकारों की असफलता स्पष्ट तौर पर पूर्व-प्रबंध तैयार न रखने और प्रशासन की अक्षम्य कोताही का नतीजा है। वर्ष 2022 में जारी भारत वन सर्वेक्षण (एफएसआई) रिपोर्ट-2021 बताती है कि वर्ष 2021 में देशभर में वनीय आग के 3,45,989 मामले दर्ज हुए, जो कि अब तक के रिकॉर्ड में सबसे अधिक हैं। यह मामले 2019 के मुकाबले लगभग 1 लाख अधिक थे। इस रिपोर्ट से पर्यावरण, वन एवं मौसम मंत्रालय और देशभर की राज्य सरकारों के कान खड़े हो जाने चाहिए थे। हमें इतनी समझ होना जरूरी है कि वनीय स्रोत मनुष्य के साथ-साथ समस्त वनीय जीवन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। जंगलों में साल-दर-साल लगने वाली आग का पर्यावरणीय संतुलन और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले विनाशकारी परिणामों से निपटने के उपायों को लेकर बातें तो बहुत की जाती हैं लेकिन जैसे ही इंद्रदेव की कृपा से आग बुझी, सब कुछ भुला दिया जाता है।

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में अपने कार्यकाल (1997-2002) के दौरान मैंने देश के लिए एक वन अग्निशमन रणनीति तैयार की थी और इनसे होने वाले वार्षिक नुकसान की गणना की। मैंने इंडोनेशिया के बागोर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया था, उस वक्त 1999 में देश के कोयला खान युक्त वनों में आग लगी थी। इस बैठक में सर्वसम्मति बनी कि आग लगने पर बुझाने के यत्न करने से बेहतर है रोकथाम के उपाय पहले करके रखना क्योंकि एक बार आग ने दावानल का रूप धर लिया तो कितनी भी मशीनरी और संसाधन झोंक दें, काबू पाना असंभव है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वर्ष 2001 में नए दिशा-निर्देश जारी किए और आग बुझाने के तरीकों में हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने का विचार त्याग दिया। वह इसलिए भी कि भारत में कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जितने विशालकाय जंगल नहीं हैं, और वहां पर अग्निशमन के लिए हवाई जहाजों से विशेष झाग बरसाने के साथ उपकरणों से लैस तगड़ी अग्निशमन कार्रवाई की जाती है। तब यह निर्णय लिया गया कि भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग को उपग्रह का इस्तेमाल करने के लिए विशेष फंड दिया जाए ताकि आग की शिनाख्त होते ही संबंधित विभाग को तुरंत सतर्क किया जा सके। यह तरीका आज भी अमल में है, तदनुसार आग की घटना का पता चलते ही भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग संबंधित कर्मियों को सूचना देता है। प्रत्येक वन संभाग को नवम्बर माह से पहले आग लगने की संभावित जगहों और उसके आसपास की जमीन पर फैली अग्नि ग्राह्य सामग्री को हटाना, उपकरण एवं मशीनरी की जांच और मरम्मत कर तैयार-बर-तैयार रखना होता है। नवम्बर माह से पहले हरेक वन-संभाग और वन-प्रखंड को अग्नि रोकथाम रणनीति तैयार रखनी पड़ती हैङ्क इसमें अधिक जोखिम वाले इलाकों को चिन्हित करना शामिल हैङ्क संकट का आकलन करना, पूर्व चेतावनी व्यवस्था बैठाना और व्यावहारिक रूप से सुनिश्चित करना जैसे कि शमन उपकरण, पानी की मश्कें इत्यादि तैयार रखना। बस्तियों के आसपास के वनीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की पूर्व-रूपरेखा बनाना। संयुक्त वनीय प्रबंधन या वन पंचायतों के लिए विशेष फंड जारी किए गए ताकि आग लगने के मौसम में गांववासियों की मदद ली जा सके। राज्य सरकारों से भारतीय वन कानून के अनुच्छेद 79 को लागू करने के निर्देश दिए गए, जिसके तहत गांववासियों और सरकारी कर्मचारियों का कानूनी कर्तव्य है कि आग लगने की सूचना दें और काबू करने में मदद करें और इसके लिए चिन्हित क्षेत्रों में टीमें भी तैयार-बर-तैयार रखी जाएं। मंत्रालय के लिए हर साल इन दिशा-निर्देशों की पुनर्समीक्षा और आकलन करते रहना जरूरी है। यदि प्रक्रिया पहले से तयशुदा और अपनी जगह हो, तब राज्य सरकारें हर बार आग लगने पर खुद को असहाय कैसे महसूस कर सकती हैं। आग की निगरानी और पूर्व-तैयारियों में कोताही की वजहों और दोषियों को ढूंढ़ना राज्य सरकारों का जिम्मा है। यदि राज्य प्रशासन और वन अधिकारी तय हो चुके प्रतिरोधक उपायों और संहिता पर कड़ाई से अमल करें और साथ ही यथेष्ट उपकरण, मानव शक्ति, धन और अग्निरोधक एवं आपदा नियंत्रण उपायों पर निरंतर नज़र बनाए रखें तो अधिकांश वनीय आग की रोकथाम या उस पर जल्द-से-जल्द काबू पाया जा सकता है। आग पकड़ने वाली सामग्री और मानव की दखलअंदाजी का प्रबंधन एक मुख्य कारक है और आग लगने का मौसम शुरू होने से पहले और इसके दौरान, पंचायतों एवं स्थानीय लोगों को साथ जोड़कर पूर्वाभ्यास और निगरानी का इंतजाम करके अग्नि घटनाओं को नगण्य किया जा सकता है। मानक कार्यकारी प्रक्रिया की समीक्षा करते रहना जरूरी है और प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री का ध्यान इस तरफ विशेष रूप से होना आवश्यक है क्योंकि फिलहाल ऐसा लगता है कि केवल उनके स्तर पर तंत्र से काम करवाया जा सकता है। देश में वनीय आग की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, रोकथाम और पूर्व-तैयारियों को सख्ती से लागू करवाने के लिए प्रधानमंत्री और पर्यावरण मंत्रालय के लिए नौकरशाहों को खींचकर रखना और सख्त कदम उठाना आवश्यक है। पहाड़ी सूबे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश पर विशेष ध्यान देना होगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सक्रियता देखकर नौकरशाही भी काम पर जुटी है और जमीनी स्तर पर इसके परिणाम दिखने लगे हैं। हालांकि बहुत बड़ा नुकसान पहले हो चुका है। तमाम राजनीतिक दल लोगों को जागरूक करें और वनों को आग लगाने के दुष्परिणामों के बारे में आगाह करें। पिछले कुछ सालों से वास्तविक धरातल पर वन निरीक्षकों की कोताही और अकर्मण्यता सर्वविदित है। उत्तराखंड के वनीय क्षेत्र में वन-रक्षकों और अरण्यपालों की नाक के तले हजारों की संख्या में उभरे धार्मिक स्थलों ने हजारों हेक्टेयर वनीय भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया। इस पर कार्रवाई तब जाकर हुई जब मामला लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय से उठाया गया। मुख्यमंत्री ने पहल करते हुए कुछ सौ ढांचों को तुड़वाया। तथापि फील्ड अधिकारी या रेंज इंचार्ज या संभाग अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। व्यवस्था में प्रत्येक की जिम्मेवारी और सुशासन देना तय हो, और उत्तराखंडवासी यही होते देखना चाहते हैं।

विचार

पश्चिमी देश मुक्त नहीं हुए नस्लवाद से

चेतनादित्य आलोक

दुनिया के तमाम विकसित देश विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि इस बात का शोर मचाते नहीं थकते कि वे सभ्य देश हैं और दुनियाभर में यदि लोकतंत्र एवं मानवाधिकार सुरक्षित हैं तो केवल उनके ही कारण और वे ही हैं जो लोकतंत्र की गरिमा, शुचिता और इसका व्यावहारिक पक्ष सुरक्षित रखे हुए हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं। इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष जनवरी से मार्च तक ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही, भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं और बाइडेन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी। यह स्थिति तब है, जबकि भारतीय विद्यार्थियों के संबंध में दुनियाभर में प्रचलित है कि ये बेहद शालीन, विनम्र और अपनी पढ़ाई-लिखाई से वास्ता रखने वाले होते हैं। ये कभी भी बेवजह सरकार विरोधी अथवा स्थानीय संस्कृति और सभ्यता के विरोध में किसी प्रकार के आंदोलन आदि में भाग नहीं लेते। वे मित्र देश का किसी भी प्रकार से विरोध, अपमान या अहित नहीं करते हैं।

हालांकि, कारोबारी जगत की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में भारतीय प्रोफेशनलों के प्रमुखता से उभरने के कारण दुनियाभर में भारतीय प्रोफेशनलों की मांग दिनोदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत से विदेश जाकर शिक्षा प्राप्त करने और वहीं बस जाने का क्रेज भी बढ़ा है। वैसे देखा जाए तो पश्चिमी देशों का नस्लभेदी रवैया बहुत पुराना है और यह केवल भारतीय विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि इन विकसित देशों ने तो अपने असभ्य, नस्लवादी, रूढ़िवादी एवं असहिष्णु आचरण का शिकार अनेक भारतीय कलाकारों, खिलाड़ियों एवं अन्य प्रोफेशनलों समेत कई बड़े और विख्यात लोगों को भी बनाया है। याद कीजिए, 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रेल यात्रा करते समय एक रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी के विरुद्ध अंग्रेज सहयात्री द्वारा किए गए क्रूर नस्लभेदी व्यवहार को जिससे प्रेरणा लेकर गांधी जी ने नस्लभेद तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था। हाल के वर्षों में भी योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार अंजाम दी गई अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों में हिंदुओं के धर्मस्थलों पर पत्थरबाजी, मारपीट, लूटपाट एवं आगजनी की घटनाओं को भला कौन भुला सकता है, जिसकी दहशत आज भी वहां के भारतवंशियों के मन में विद्यमान है। इसी प्रकार लंदन में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ कार सवार युवकों द्वारा भारतीय अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री बिपाशा बसु के रंग और भारत के बारे में घटिया टिप्पणियां करना, 2008 में ब्रिटेन के एक रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट जेड गुडी द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर रंगभेदी टिप्पणी करना, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को अमेरिका में पढ़ाई के दौरान सांवले रंग की वजह से 'ब्राउनी' कहकर चिढ़ाया जाना, नस्लभेद की वजह से प्रियंका को हॉलीवुड की एक फिल्म में कार्य करने से वंचित कर देना और रूस-यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का नस्लभेदी व्यवहारों का शिकार होना आदि पश्चिमी देशों के क्रूर नस्लभेदी व्यवहारों के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए एक टेस्ट के दौरान दो खिलाड़ियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दर्शकों द्वारा 'ब्राउन डॉग' कहकर संबोधित किया जाना तथा पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा पर इंग्लैंड में लीग क्रिकेट के दौरान रंग के आधार पर अपमानजनक टिप्पणियां करना भी इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

एक नजर

निवर्तमान सांसद ने स्व. सुशील मोदी के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

पूर्णिया,एजेंसी। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधनोपरांत मंगलवार को जब स्व मोदी का पार्थिव शरीर विधानसभा परिसर पहुंचा तो पूर्णिया के निवर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा ने उनके पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव समेत बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दल के नेता, सांसद और विधायक मौजूद थे। मौके पर निवर्तमान सांसद श्री कुशवाहा ने बीते दिनों को याद करते हुए स्व मोदी को अपना अभिभावक बताते हुए कहा कि जब वे पहली बार वर्ष 2010 में विधायक बने तो उनसे हमेशा पुत्रवत स्नेह मिलता रहा।जब वे वर्ष 2012 में गंभीर रूप से बीमार हुए थे तो उन्होंने पिता की तरह अपनी देख-रेख में मेरा इलाज कराया था। मेरा रोम-रोम उनका ऋणी है। यह मेरे लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई शायद कभी सम्भव नही है। कुशवाहा ने कहा कि बिहार की राजनीति में एक युग का अंत हुआ है और राजनीति के फकीर की कमी हमेशा महसूस होती रहेगी।इस मौके पर विधायक कविता पासवान,विधायक विजय खेमका,भाजपा नेता विनोद यादव आदि मौजूद थे।

कोटवा में 2583.44 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने हाईवा ट्रक पर 299 कार्टन मे रखे 2583 विदेशी शराब के साथ दो अंतरराज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है।मिली जानकारी के अनुसार मद्यनिषेध इकाई बिहार,पटना के इनपुट पर एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर डीएसपी सदर 2 के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर सघन वाहन जाँच के दौरान कोटवा थानाक्षेत्र के बेलवा माधव चौक के समीप से एक हाईवा ट्रक में रखे विदेशी शराब का कुल 299 कार्टन (2583.44 ली0) बरामद करते हुए दो शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये शराब तस्कर की पहचान यूपी के कुशीनगर जिले के पड़रौना निवासी अरविन्द यादव व यूपी के देवरिया जिला के रामपुर करखाना निवासी सरफराज आलम के रूप में हुई है। शराब व हाईवा को जब्त कर इस संदर्भ में कोटवा थाना द्धारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।साथ ही तस्करो के पास बरामद दो मोबाइल से इसके फारवर्ड व बैकवर्ड लिंकेज को खंगाला जा रहा है।छापेमारी टीम में सदर 2 डीएसपी जितेश कुमार पाण्डेय कोटवा थानाध्यक्ष राजरूप राय,एसआई दीप्ती कुमारी व कोटवा थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

विधायक डॉ आलोक रंजन ने सुशील मोदी के निधन पर जताया शोक

सहरसा,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का निधन हो गया है।उनके निधन पर विधायक सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में भाजपा के उत्थान और उसकी सफलताओं के पीछे उनका अमूल्य योगदान रहा है। यह बिहार भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति है। सौम्य स्वभाव, कुशल प्रशासक के रूप में योगदान तथा सार्वजनिक जीवन में शुचिता उनके व्यक्तित्व और कृतित्व में परिलक्षित होते थे। उन्होंने कहा जेपी आंदोलन के सच्चे सिपाही, बिहार के उप-मुख्यमंत्री, संसद सदस्य और राज्य की विधायिका के दोनों सदनों के सदस्य के रूप में सुशील कुमार मोदी ने उच्च आदर्शों को निभाया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से भाजपा तक सुशील जी ने संगठन व सरकार में कई महत्त्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि सुशील मोदी की राजनीति गरीबों व पिछड़ों के हितों के लिए समर्पित रही।उनके निधन से बिहार की राजनीति में जो शून्यता उभरी है। उसे लंबे समय तक भरा नहीं जा सकता। बिहार के संघर्ष शील जुझारू नेता जिन्होंने बिहार भाजपा को शिखर पर पहुंचाया। बिहार सरकार के माननीय पूर्व उप मुख्यमंत्री निवर्तमान सांसद स्व सुशील कुमार मोदी के आकस्मिक निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर छा गई है।

सुशील मोदी पंचतत्व में हुए विलीन, नम आंखों से दी गई विदाई

पटना,एजेंसी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य रहे सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर आज पंचतत्व में विलीन हो गया।

श्री मोदी का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ मंगलवार को देर शाम पटना में गंगा नदी के किनारे दीघा घाट पर किया गया। %जब तक सूरज चांद रहेगा सुशील मोदी तेरा नाम रहेगा% और %सुशील मोदी अमर रहे% के नारों के बीच उनके बड़े बेटे उत्कर्ष ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री तथा विधायक मौजूद थे। इससे पहले श्री सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को मंगलवार करीब 2ः20 बजे दिल्ली से पटना हवाईअड्डा लाया गया। हवाईअड्डा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनका पार्थिव शरीर हवाईअड्डा से सीधे राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास पर ले जाया गया, जहां उनके परिवार के लोगों और प्रशंसकों ने श्रद्धांजलि दी । इसके बाद श्री मोदी का पार्थिव शरीर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय ले जाया गया। वहां से बिहार विधानमंडल परिसर और फिर पार्टी के प्रदेश कार्यालय ले जाया गया, जहां उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। गौरतलब है कि श्री मोदी का सोमवार को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था। वह कैंसर से पीड़ित थे।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन पर सरसंघचालक सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने जताया दुख

पटना (बिहार)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के सभी वरीय नेताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

बताया गया है कि दिवंगत सुशील मोदी का पार्थिव शरीर आज अपराह्न चार बजे बिहार विधान परिषद में लाया जायेगा। बिहार भाजपा के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शाम पांच बजे पटना आयेंगे। सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन से अत्यंत दु:ख हुआ। इस समय हम सबकी भावना उनके परिवार तथा असंख्य मित्र-प्रशंसकों के साथ है। संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रहे सुशील मोदी सारे देश विशेषत: बिहार की चिंता करते थे। उनके निधन से एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता और कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया है। सुशील मोदी सार्वजनिक जीवन में सैद्धांतिक निष्ठा और पारदर्शिता के आदर्श उदाहरण थे। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें दु:ख सहन करने की शक्ति दें तथा दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने शोक संदेश में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। विद्यार्थी परिषद से लेकर अभी तक हमने साथ में संगठन के लिए लंबे समय तक काम किया। सुशील मोदी का पूरा जीवन बिहार के लिये समर्पित रहा। बिहार को विकास के पथ पर लाने में सुशील मोदी का प्रयास बहुत मददगार रहा है। उनका ना होना असंख्य कार्यकताओं के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी का निधन दु:खद है। वे जेपी आंदोलन के सच्चे सिपाही थे। उप मुख्यमंत्री के तौर पर भी उन्होंने हमारे साथ काफी वक्त तक काम किया। मेरा उनके साथ व्यक्तिगत संबंध था और उनके निधन से मैं मर्माहत हूं। मैंने एक सच्चा दोस्त और कर्मठ राजनेता खो दिया है। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। उनके परिजनों, समर्थकों और प्रशंसकों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने उनकी पत्नी जेसी जॉर्ज से टेलीफोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने अपने शोक संदेश में कहा कि पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के समय यानी विगत 51-52 वर्षों से हमारे मित्र भाई सुशील मोदी के निधन का अति दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। वे एक जुझारू और समर्पित सामाजिक राजनीतिक व्यक्ति थे। ईश्वर दिवगंत आत्मा को चिरशांति तथा परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। सुशील कुमार मोदी के निधन पर बिहार विधान परिषद के पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह ने भी गहरा दुख व्यक्त किया।

केविवि में ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल पर कार्यशाला का आयोजन

पूर्वी चंपारण। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे, जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। कार्यशाला में बाल और बंधुआ मजदूरी पर केंद्रित ऑस्कर नॉमिनेटेड और अवार्ड विनिंग चार महत्वपूर्ण फिल्मों कवि,बत्ती,रूपा और जीरो का भी प्रदर्शन किया गया।कार्यशाला में स्वागत भाषण देते डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण होती है। फिल्मों की गहरी और सूक्ष्म समझ विकसित करना फ़िल्म अध्येता और जागरूक दर्शक की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। फिल्म के हर एक दृश्य में एक संदेश छुपा होता है। फिल्में सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि लोगों को प्रेरित और शिक्षित भी करती है।

विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर सुनील दीपक घोडके द्वारा %%कवि और %%बत्ती%% फिल्मों के बारे में छात्रों को बताया की फिल्म में दर्शाए गए दृश्य अद्भुत है।जो हमे कई ज्ञान भी दी है। छात्रा वागीशा श्रीवास्तव द्वारा बाल मजदूरी पर आधारित फिल्म कवि की प्रस्तुति की गई जो एक ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म है। फिल्म में एक बालक को दर्शाया गया है जो अपने घर की परिस्थितियों और परेशानियों की वजह से बाल मजदूरी करता है और उसे यह कहा जाता है कि शिक्षा पर सिर्फ अमीरों और बड़े घर के बच्चों का हक होता है। कार्यक्रम के आयोजन और संयोजन में बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र आर्यन सिंह का अहम योगदान रहा। प्रस्तुति के बाद छात्रों से फिल्म के बारें में प्रतिक्रिया ली गई और सभी छात्रों ने अपने-अपनी सोच और समझ के अनुसार राय जाहिर की। कार्यशाला में बड़ी संख्या में मीडिया विभाग के विद्यार्थी मौजूद थे।

चंपारण में महागठबंधन के पक्ष में चल रहा है अंडर करंटः युवा कांग्रेस

पूर्वी चंपारण,एजेंसी। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता डोर टू डोर कैंपेन के साथ सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधि को केन्द्रित करे। उक्त बाते अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व बिहार प्रभारी राजेश कुमार सन्नी ने मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बंजरिया पंडाल में युवा कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 10 साल से लगातार झूठे वायदे और विज्ञापन के बलबूते मोदी सरकार से जनता तंग हो चुकी है। महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्रस्त है। पीएम मोदी लगातार जनता की भावनाओ को भड़का कर चंद पूंजीपतियो के चंदा से तानाशाह बन गये है।संविधान खतरे में है। मोदी सरकार ने कांग्रेस शासन में खड़ी की संस्थाओ को अपने चहेते पूंजीपति को बेच रहे है। उन्होने युवा कार्यकर्त्ताओ को पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के साथ शिवहर लोकसभा क्षेत्र में महागठबंधन के पक्ष मे? मजबूती से जुटने का आह्वान करते कहा कि बेतिया से मदन मोहन तिवारी, मोतिहारी से राजेश कुशवाहा व शिवहर से रितु जयसवाल बेदाग छवि के उम्मीदवार है,जबकि इन तीनो लोकसभा में एनडीए के उम्मीदवार को लोग परख चुके है। इन लोगो ने जनता की अपेक्षा का अनादर किया है।

इसके पूर्व कांग्रेस नेता सन्नी ने बनकटवा प्रखंड के बिजबनी सहित कई गांवो में आयोजित कार्यक्रमो में शिरकत कर लोगो से कांग्रेस के पक्ष वोट देने का आह्वान किया और कहा कि वोटर कांग्रेस प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के पक्ष में काफी उत्साहित है,जनता में अंडर करंट चल रहा है,जबकि उनके सामने खड़े एनडीए प्रत्याशी संजय

जयसवाल और उनके पिता मदन जयसवाल को लोग देख चुके है। मौके पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव,युवा कांग्रेस के प्रीतम अग्रवाल, अभिषेक रंजन, शिव पुजारी, आनंद कौशल, बिनय यादव, निशिकांत सिंह,मो. आमिर,एनएसयूआई नेता आशीष कुमार, प्रिंस मिश्रा, मोहमद एकराम, मनीष मिश्रा,मनीष रेड्डी, मोहमद सद्दाम, राकेश यादव, मोहमद जमाल, अखिलेश यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

तीन प्रशिक्षण केन्द्र पर 12 हजार मतदान कर्मियों को 144 मास्टर ट्रेनर दे रहे प्रशिक्षण, डीएम ने लिया जायजा

गोपालगंज। लोकसभा के छठवें चरण में गोपालगंज -17 लोकसभा में मतदान 25 मई को होगा। इसके लिए मतदान अधिकारियों, माईक्रो ऑबजर्वर, पी-1,पी-2,पी-3 एवं कर्मियो का प्रशिक्षण जिले के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों डीए वी उच्च माध्यमिक विद्याल,एमएम उर्दू उच्च विद्यालय, तुरकहाँ और डीएवी पब्लिक स्कूल थावें में आज दूसरे दिन भी दिया गया।

जिला पदाधिकारी मो मकसूद आलम ने मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया। डीएभी पब्लिक स्कूल थावे निरीक्षण के क्रम में नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग राधाकांत, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा धीरज कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एमडीएम बृजेश कुमार के साथ प्राचार्य कार्यालय कक्ष में सीसीटीवी डिस्प्ले के माध्यम से कुल 21 कमरों मे चल रहे प्रशिक्षण का बारी-बारी से अवलोकन किए एवं सुव्यवस्थित चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही वहाँ उपस्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य वीपी सिंह से विद्यालय की बढ़िया व्यवस्था के लिए सराहना की। एमएम उर्दू उच्च माध्यमिक विद्यालय तुरकहाँ प्रशिक्षण केन्द्र पर विभिन्न विधानसभाओं के प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों के मतदान में अव्यवस्था को लेकर संबंधित वरीय पदाधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए। इसके साथ ही डीए वी उच्च माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण क्रम में भी मतदान कर्मियों के मतदान के समुचित व्यवस्था न होने पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) मो जमालुद्दीन को आवश्यक निर्देश दिए। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 14,15और 16 मई को दो पालियों मे चलाया जा रहा है। जिसमें 9415 प्रशिक्षुओं (2210 पोलिंग पार्टी) जिसमें 245 सेक्टर मजिस्ट्रेट 330 मईक्रो ऑबजर्वर सम्मिलित हैं। जिसकों 144 मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है।तीन प्रशिक्षण केन्द्र पर 12 हजार मतदान कर्मियों को 144 मास्टर ट्रेनर दे रहे प्रशिक्षण है।

गंगा समग्र के द्वारा की गई गंगा घाट की सफाई

भागलपुर। गंगा समग्र नगर संयोजक राजकुमार सिन्हा के नेतृत्व में मंगलवार को गंगा सप्तमी तिथि के अवसर पर गंगा जागरण दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय हो कि आज के ही दिन मां गंगा का पुनर्जन्म हुआ था। आज शुक्ल सप्तमी के दिन ऋषि जन्हू के कान से मां गंगा निकली थी और पूरी धरती पर विचरण करती हुई, पुण्यात्मा को मुक्ति प्रदान की थी। मां धरती पर जब गंगा मैया अवतरित हुई तो सभी प्राणी पशु,पक्षी, जलीय जीव सभी ने खुश होकर गंगा में डुबकी लगाई।

मान्यता है कि आज के दीन गंगा स्नान से जन्म जन्म के पापो से मुक्ति मिलती हैं। आज के दिन मां गंगा की आरती का भी बहुत महत्व है। गंगा समग्र जिला संयोजक अंजली घोष ने बताया कि आज गंगा समग्र के जिला तथा नगर टीम के द्वारा बरारी पुल घाट की सफाई की गई। नगर संयोजक राजकुमार सिन्हा ने कहा कि हम गंगा स्नान करने आते हैं तो सिर्फ स्नान कर गंगा जल लेकर जाए, अपने दातुन के टुकड़े साड़ी, धोती कुर्ता गंजी जंघिया के प्लास्टिक को डस्टविन में डालें। सत्येन भास्कर ने कहा कि अपने पहने हुए कपड़े उतार कर गंगा किनारे नहीं छोड़ना चाहिए, इससे मां गंगा का अपमान होता है। इससे आपके पुण्य की हानि होती है। बंदना तिवारी ने कहा कि गंगा किनारे अच्छे अच्छे

स्लोगन लिखकर जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए। स्वच्छ गंगा जागरण अभियान में शामिल होने वालों में अंजली घोष, राजकुमार सिन्हा, बंदना तिवारी, सत्येन भास्कर, माला घोष, राहुल कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, आशुतोष कुमार, सुनीता देवी आरती देवी, नूतन देवी, बुलनी देवी, गोपाल कर्ण, आदित्य कुमार, सोना ठाकुर, अशोक ठाकुर आदि शामिल रहे।

एक नजर

नवाज शरीफ संभालेंगे पीएमएल-एन अध्यक्ष पद की कमान

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक बार फिर से पार्टी की कमान संभालने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। पार्टी में अंदरूनी कलह के बीच शहबाज शरीफ ने पीएमएल-एन अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। पीएमएल-एन महासचिव को लिखे अपने पत्र में शहबाज ने 2017 के घटनाक्रमों का उल्लेख किया जिसका परिणाम नवाज के प्रधानमंत्री कार्यालय से बाहर होने एवं पार्टी की अध्यक्षता गंवाने के रूप में हुआ था। शहबाज (72) ने पत्र में कहा कि उनके भाई ने प्रतिकूल हालात के दौरान पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी और कहा कि यह कर्तव्य उन्होंने पूरे समर्पण और गंभीरता के साथ निभाया। नवाज (74) लंदन में करीब चार साल स्वनिर्वासन में रहने के बाद पिछले साल अक्टूबर में स्वदेश लौटे थे। शहबाज का इस्तीफा पंजाब प्रांत में और संघीय स्तर पर पार्टी में अंदरूनी कलह के बीच आया है।

भारतीय मूल के मुरली पिल्लई सिंगापुर के मंत्रिमंडल में होंगे शामिल

सिंगापुर। भारतीय मूल के मुरली पिल्लई को सिंगापुर के नए प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नए मंत्रिमंडल में कानून और परिवहन राज्य मंत्री नियुक्त किया जाएगा। इसकी घोषणा सोमवार को की गई। जानकारी के अनुसार 56 वर्षीय पिल्लई को एक जुलाई को शपथ दिलाई जाएगी जबकि अन्य मंत्री 15 मई को शपथ लेंगे। सत्तारूढ़ 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' के सदस्य पिल्लई एक वकील हैं। भारतीय मूल के अन्य नेताओं में डॉ. विवियन बालाकृष्णन विदेश मामलों के मंत्री बने रहेंगे, के. षणमुगम गृह मामलों और कानून मंत्री रहेंगे और इंद्राणी राजा प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री रहेंगे।

यमन के हूतियों को हथियारों की आपूर्ति करना बंद करे ईरानः अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह यमन के हूती विद्रोहियों को भारी मात्रा में हथियारों की आपूर्ति करना बंद करे क्योंकि इन हथियारों से लड़ाकों को लाल सागर और अन्य स्थानों पर जहाजों पर हमला करने में मदद मिलती है। अमेरिका के उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि यदि निकाय यमन में गृहयुद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति चाहता है तो उसे सामूहिक प्रयास के तहत ''ईरान को अस्थिरता पैदा करने की भूमिका से रोकना चाहिए और कहना चाहिए कि वह हूती विद्रोहियों को समर्थन देना बंद करे। उन्होंने कहा कि इस बात के व्यापक साक्ष्य हैं कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए हूतियों को बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल सहित उन्नत हथियार मुहैया करा रहा है। वुड ने कहा, ''हथियार प्रतिबंध को लेकर किए जा रहे उल्लंघन के संबंध में परिषद की चिंता को रेखांकित करने के लिए हमें व्यवस्था को मजबूत करने तथा उल्लंघनकर्ताओं पर नकेल कसने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए। हूतियों का कहना है कि लाल सागर और अदन की खाड़ी में नौवहन पर उनके हमलों का उद्देश्य गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव बनाना है। गाजा में जारी युद्ध में 35,000 से अधिक फलस्तीनियों की जान जा चुकी है।

गाजा में संयुक्त राष्ट्र के भारतीय कर्मचारी की मौत

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। गाजा के रफह शहर में हमले की चपेट में आने से संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले एक भारतीय कर्मी की मौत हो गई। सात अक्टूबर को इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद संयुक्त राष्ट्र के किसी अंतरराष्ट्रीय कर्मी की मौत का यह पहला मामला बताया जा रहा है। वह व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा एवं संरक्षा विभाग (डीएसएस) का कर्मचारी था। मृतक की पहचान अभी जाहिर नहीं की गई है, वहीं सूत्रों ने 'पीटीआई' से पुष्टि की कि वह भारतीय था और भारतीय सेना का पूर्व जवान था। संयुक्त राष्ट्र के वाहन में रफह स्थित यूरोपियन अस्पताल जाते समय हुई इस घटना में डीएसएस का एक अन्य कर्मचारी घायल हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा एवं सुरक्षा विभाग (डीएसएस) के एक कर्मचारी की मौत और एक अन्य डीएसएस कर्मचारी के घायल होने पर गहरा दुख जताया। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर सभी हमलों की निंदा की और पूरी जांच का आह्वान किया। गुतारेस ने जान गंवाने वाले कर्मचारी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बयान में कहा गया है, गाजा में न केवल नागरिकों पर बल्कि मानवीय सहायता कार्यकर्ताओं पर भी संघर्ष का भारी असर हो रहा है। महासचिव ने एक बार फिर तत्काल मानवीय युद्धविराम और सभी बंधकों की रिहाई की अपील की है। गुतारेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गाजा में संयुक्त राष्ट्र के वाहन पर हमला किया गया, 'हमारे एक सहयोगी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने कहा कि गाजा में संयुक्त राष्ट्र के 190 से ज्यादा कर्मचारियों की मौत हुई है।

पीओके के लिए 23 अरब का बजट मंजूर होने के बाद भी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ गुस्सा शांत होने के संकेत नहीं

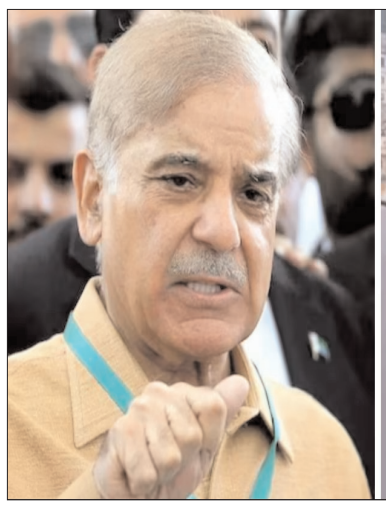

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लगातार बढ़ती महंगाई से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटनाक्रम ने शहबाज शरीफ सरकार को घुटनों पर ला दिया है। सरकार ने पीओके के लिए तत्काल 23 अरब रुपये का बजट मंजूर किया और स्थानीय सरकार ने बिजली दरों व ब्रेड की कीमतों में कटौती की घोषणा की लेकिन ये घोषाणाएं अबतक लोगों का गुस्सा शांत नहीं कर पाई हैं।

पीओके में अभी भी स्थिति तनावपूर्ण है। शुक्रवार से इस क्षेत्र में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एक दिन पूर्व सोमवार को चौथे दिन भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की खबरें हैं। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ टकराव में अबतक मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। जिनमें दो प्रदर्शनकारी और एक एसआई शामिल है। रविवार को झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। दरअसल, जरूरी चीजों के दाम बढ़ने और टैक्स में बढ़ोतरी के खिलाफ पीओके में 10 मई से सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारियों और वकीलों द्वारा गठित संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने राजधानी मुजफ्फराबाद मार्च करने का आह्वान किया। सोमवार को भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर लॉन्ग मार्च जारी रखा। पुलिस ने इस मार्च को रोकने के लिए बल प्रयोग किया जिसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। लोग संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के लगभग 70 सदस्यों को गिरफ्तार किए जाने से नाराज थे जिसके बाद हिंसा भड़की। उल्लेखनीय है कि रविवार को भीड़ में किसी ने पुलिस के एसआई अदनान कुरेशी की गोली मारकर हत्या कर दी। जिसके बाद झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए, इनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी थे। अब तक दो प्रदर्शनकारियों की भी मौत हुई है।

इसके साथ ही पीओके के साथ भेदभाव किए जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोग अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। बिजली वितरण में इस्लामाबाद सरकार की तरफ से भेदभाव किए जाने के आरोप में नीलम-झेलम परियोजना द्वारा उत्पादित 2,600 मेगावाट जलविद्युत का उचित हिस्सा नहीं मिलने की शिकायतें हैं। इस बीच, प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए पाकिस्तान सरकार ने तत्काल प्रभाव से 23 अरब रुपये का बजट आवंटित किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हालात के बारे में चिंता जताई। उन्होंने सोमवार को प्रदर्शनकारियों और स्थानीय सरकार से बातचीत के बाद पीओके को तत्काल प्रभाव से 23 अरब रुपये के बजट की मंजूरी दी। शरीफ सरकार की घोषणा के बाद पीओके के प्रधानमंत्री हक ने बिजली दरों में कटौती की घोषणा की। उन्होंने ब्रेड की कीमतों में भी कटौती की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बिजली और खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के विरोध में व्यापारी शुक्रवार को सड़कों पर उतर आए। अगस्त 2023 में भी ऊंचे बिजली दरों के खिलाफ ऐसे ही विरोध प्रदर्शन हुए थे। बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दो साल से अधिक समय से अत्यधिक उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रही है।

व्हाइट हाउस में 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत की धुन बजायी गयी

वाशिंगटन,एजेंसी। व्हाइट हाउस के मरीन बैंड ने सोमवार को कई एशियाई अमेरिकियों के समक्ष 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत की धुन बजायी। एशियाई अमेरिकी व्हाइट हाउस में 'एशियन अमेरिकन, नेटिव हवाई एंड पेसिफिक आइलेंडर' (एएएनएचपीआई) 'विरासत माह' का जश्न मनाने के लिए एक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ इकट्ठा हुए थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोहम्मद इकबाल द्वारा लिखे गए देशभक्ति गीत की धुन को भारतीय अमेरिकियों के अनुरोध पर मरीन बैंड ने दो बार बजाया। राष्ट्रपति की ओर से इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए भारतीय अमेरिकियों को आमंत्रित किया गया था।

भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भुतोरिया ने समारोह के बाद एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''व्हाइट हाउस के एएएनएचपीआई विरासत माह के उपलक्ष्य में रोज गार्डन में आयोजित किया गया समारोह एकदम अद्भुत था। सबसे अच्छी बात यह रही कि जैसे ही मैं व्हाइट हाउस में गया संगीतकारों ने 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत की धुन बजाकर मेरा स्वागत किया। एक साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब व्हाइट हाउस में भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत बजाया गया। आखिरी बार पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान ऐसा किया गया था। मरीन बैंड ने बताया कि उसने राजकीय दौरे से पहले इसका अभ्यास किया था। कैलिफोर्निया में रह रहे भुतोरिया ने कहा, ''मुझे बेहद अच्छा लगा। व्हाइट हाउस में मेरे लिए यह गर्व का पल था। मैंने उनके साथ गाना शुरू किया और फिर मैंने उनसे इसे एक बार फिर से बजाने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरा अनुरोध मान लिया और बताया कि वे इसे दूसरी बार बजा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी आए थे तो उन्होंने इसे बजाया था और उसके बाद आज फिर वे इसे बजा रहे हैं। यह बेहद मनोरम दृश्य है कि आज व्हाइट हाउस में 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत सुनने को मिला। इस समारोह के दौरान अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने ड्रम बजाकर वहां मौजूद सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय नागरिक ने ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमला करने का अपराध स्वीकार किया

वाशिंगटन। अमेरिका के एक अटॉर्नी के अनुसार अमेरिका में स्थायी निवासी के तौर पर रहने वाले एक भारतीय नागरिक ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को नाजी जर्मनी की विचारधारा से प्रेरित तानाशाही में बदलने के इरादे से किराए के एक ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमला करने का अपराध स्वीकार किया है।

अभियोजन और बचाव पक्ष के बीच हुए समझौते के वक्तव्य के अनुसार मिसूरी में सेंट लुईस के रहने वाले वरशित कांदुला (20) ने भाड़े के एक ट्रक को व्हाइट हाउस के परिसर में घुसा दिया और वह राजनीतिक सत्ता पर कब्जा करने के लिए व्हाइट हाउस तक पहुंचने का प्रयास कर रहा था। अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश डाबनी एल. फ्रेडरिक ने कांदुला को सजा सुनाने के लिए 23 अगस्त की तारीख तय की है। अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू ग्रेव्स ने सोमवार को कहा कि कांदुला का इरादा लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को नाजी जर्मनी की विचारधारा से प्रेरित तानाशाही वाली सरकार में बदलना और खुद को अमेरिका का सर्वेसर्वा बनाना था। न्याय विभाग ने कहा कि कांदुला ने जांचकर्ताओं के सामने स्वीकार किया कि अपने उद्देश्य को हासिल करने के लिए यदि आवश्यक होता तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति और अन्य लोगों की हत्या के लिए बंदोबस्त करने को तैयार था। विभाग ने कहा कि उसकी हरकतों का मकसद डरा-धमकाकर या दबाव डालकर सरकार के कामकाज को प्रभावित करना था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार कांदुला 22 मई, 2023 की दोपहर सेंट लुईस, मिसोरी से एक वाणिज्यिक विमान से वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुआ था।

अमेरिका के टेक्सास में हवाईअड्डे के रनवे पर बिजली गिरी

ह्यूस्टन,एजेंसी। अमेरिका में खराब मौसम के बीच टेक्सास के चौथे सबसे बड़े शहर ह्यूस्टन के दो प्रमुख हवाई अड्डों में से एक विलियम पी. हॉबी हवाई अड्डे के रनवे पर सोमवार दोपहर बिजली गिरी। ह्यूस्टन हवाई अड्डा प्रणाली ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया आउटलेट एबीसी 13 ने बताया कि हवाई अड्डे के अधिकारियों ने मरम्मत के लिए तुरंत रनवे बंद कर दिया। अभी तक नुकसान का कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं हो सका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली गिरने से पहले बुश इंटरकांटिनेंटल हवाई अड्डे और ह्यूस्टन विलियम पी. हॉबी हवाई अड्डे ने ह्यूस्टन क्षेत्र में भयंकर तूफान के कारण पहले ही ग्राउंड स्टॉप जारी कर दिया था। हॉबी में ग्राउंड स्टॉप स्थानीय समय शाम सात बजे तक और बुश में कम से कम 5:30 बजे तक बढ़ा दिया गया। वर्तमान मौसम खतरनाक तूफान, सॉफ्टबॉल आकार के ओले, विनाशकारी हवा के झोंके और संभावित बवंडर के साथ-साथ सोमवार को दक्षिण अमेरिका में बाढ़ का खतरा लेकर आया जिससे टेक्सास से फ्लोरिडा तक चार करोड़ 60 लाख से अधिक लोग अलर्ट पर है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार मिसिसिपी और अलबामा के कुछ हिस्सों में सोमवार को तेज तूफान की एवं मिसिसिपी के हेटिसबर्ग क्षेत्र के लिए बवंडर की चेतावनी जारी की गई। फॉक्स पूर्वानुमान केंद्र ने कहा कि इस सप्ताह का गंभीर मौसम और बाढ़ का खतरा उतना अधिक नहीं होगा जितना हाल के सप्ताहों में हुआ था।

अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन अघोषित दौरे पर यूक्रेन पहुंचे

कीव। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एक अघोषित राजनयिक मिशन के तहत मंगलवार को यूक्रेन पहुंचे और उन्होंने कीव को आश्वस्त किया कि अमेरिका उसके साथ है। रूस की ओर से बढ़ते हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन संघर्ष कर रहा है। यूक्रेन को विलंबित विदेशी सहायता को अमेरिकी संसद की ओर से मंजूरी मिलने के एक महीने से भी कम समय में ब्लिंकन यात्रा पर पहुंचे हैं। यह सहायता यूक्रेन को दी जाने वाली 60 अरब अमेरिकी डॉलर से अलग है। इसका अधिकांश हिस्सा बुरी तरह नष्ट हो चुके तोपखानों और वायु रक्षा प्रणालियों को नए सिरे से खड़ा करने पर खर्च किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि

फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद से ब्लिंकन की यह चौथी यात्रा है और इस दौरान वह यूक्रेन की रक्षा और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए बाइडन प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेंगे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले माह के अंत में सहायता पैकेज पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा बाइडन प्रशासन पहले ही अल्पकालिक सैन्य सहायता के तहत 140 करोड़ अमेरिकी डॉलर और दीर्घकालिक समर्थन के तौर पर छह अरब डॉलर की घोषणा कर चुका है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की खेप ''तेजी के साथ मुहैया कराने की कोशिश'' कर रहा है। सुलिवन ने सोमवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं बताना चाहता हूं कि यूक्रेन को शत प्रतिशत मदद दी जा रही है।''

इंडोनेशिया बाढ़ से 50 मरने के बाद अब भी बचावकर्मी नदियों और मलबों में लोगों की तलाश कर रहें

तनाह दतार (इंडोनेशिया),एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में अचानक आई बाढ़ की तबाही थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को बचावकर्मियों ने नदियों और उजड़े हुए गांवों के मलबे में लोगों की तलाश जारी रखी। मानसून की भारी बारिश और भूस्खलन तथा माउंट मेरापी से निकले ठंडे लावे ने शनिवार को आधी रात से ठीक पहले पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के चार जिलों में कहर बरपा दिया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि बाढ़ में कई लोग और 79 मकान बह गए तथा कई घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। नतीजतन 3,300 से अधिक निवासियों को अस्थायी सरकारी सहायता केन्द्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुहारी ने कहा कि मंगलवार तक कीचड़ और नदियों से 50 शवों को निकाला जा चुका है। बचावकर्मी उन 27 लोगों की तलाश कर रहे हैं जो लापता बताए जाते हैं। बचावकर्मी सात लोगों के समूह में से उन चार लोगों को भी खोज रहे हैं जो अपनी कार के साथ बह गए थे। प्रांतीय राजधानी पडांग में खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख अब्दुल मलिक ने कहा कि सोमवार को तीन अन्य शवों को बाहर निकाला गया है। मलिक ने कहा कि दूरदराज के इलाकों में अभी भी पहुंच संभव नहीं है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इंडोनेशिया के 'सेंटर फॉर वोल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल डिजास्टर मिटिगेशन' के अनुसार, माउंट मेरापी ज्वालामुखी को अचानक विस्फोटों के लिए जाना जाता है। मेरापी में विस्फोटों का अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि स्रोत उथला है और शिखर के पास है। मेरापी ज्वालामुखी जनवरी 2024 में एक विस्फोट के बाद से सक्रिय है जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। यह इंडोनेशिया में 120 से अधिक सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। पैसिफिक 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण देश भूकंपीय उथल-पुथल का अनुभव करता रहता है।

ईरान के साथ व्यापारिक समझौते करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंधों का संभावित खतराः अमेरिका

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाए जाने का संभावित खतरा है। उसने यह भी कहा कि वह जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत ने सोमवार को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है, जिससे नयी दिल्ली को मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत ने 2003 में ऊर्जा संपन्न ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह को विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का इस्तेमाल कर भारत से सामान अफगानिस्तान और मध्य एशिया भेजा जा सकेगा। अमेरिका ने संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिसके चलते बंदरगाह के विकास का काम धीमा पड़ गया था। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इन खबरों से

अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों पर बात करे। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह को लेकर ईरान के साथ भारत के समझौते के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा, मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि चूंकि यह अमेरिका से संबंधित है, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और हम उन्हें बरकरार रखेंगे। पटेल ने कहा, आपने हमें कई मामलों में यह कहते हुए सुना है कि कोई भी इकाई, कोई भी व्यक्ति जो ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार कर रहा है, उन्हें संभावित जोखिम और प्रतिबंधों के बारे में पता होना चाहिए। भारत और ईरान ने इस बंदरगाह को 7,200 किलोमीटर लंबे आईएनएसटीसी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में पेश किया है। आईएएसटीसी के जरिए भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई की जाएगी।

नेपाल : राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करेंगे विपक्षी दल

काठमांडू। नेपाल की संसद में आज राष्ट्रपति का अभिभाषण होने वाला है। राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सदन को सम्बोधित करते हुए सरकार की नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले हैं। पिछले कई दिनों से सदन को अवरुद्ध करते आ रहे विपक्षी दलों ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करने का फैसला किया है। मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड ने विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत में उन्हें सहकारी मामले में जांच समिति बनाए जाने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री से बातचीत के बाद प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करने का फैसला किया गया है। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक के बाद प्रमुख सचेतक रमेश लेखक ने कहा कि सहकारी घोटाले पर संयुक्त संसदीय जांच समिति की मांग पर वो अभी भी कायम हैं और राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सदन फिर से अवरुद्ध किया जाएगा। लेखक ने बताया कि राष्ट्रपति एक सम्मानित संस्था हैं और लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में राष्ट्रपति के अभिभाषण को नहीं होने देना ठीक नहीं है।

एक नजर

चोटिल तस्कीन अहमद बंगलादेश की टी-20 विश्वकप टीम में

ढाका, 14 मई (वेब वार्ता)। बांग्लादेश ने अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की। बांग्लादेश की टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में नजमुल हुसैन शांटो के नेतृत्व में खेलने उतरेगी। टीम में चोटिल तस्कीन अहमद को भी शामिल किया गया है और उन्हें टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को भी जगह मिली है जो 2007 से पहले टी20 विश्व कप से लेकर अब तक सभी वैश्विक टूर्नामेंट में टीम का हिस्सा रहे हैं। तस्कीन को जिंबाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज के दौरान चोट लगी थी। साइड स्ट्रेन की शिकायत के बाद तस्कीन का इलाज किया गया और उम्मीद है कि टूर्नामेंट से पहले वह पूरी तरह फिट हो जाएंगे। तस्कीन को 12 मई को जिंबाब्वे के खिलाफ पांचवें टी20 मैच से पहले चोट लगी थी जिस कारण और वह पांचवें मुकाबले में नहीं खेले थे। तस्कीन ने जिंबाब्वे के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में आठ विकेट झटके थे जिस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। टीम में बल्लेबाज लिटन दास को भी जगह मिली है जो इस साल सीमित ओवर के प्रारूप में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। बांग्लादेश टी20 विश्व कप में ग्रुप-डी में शामिल है। इस ग्रुप में नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और नीदरलैंड भी शामिल हैं। बांग्लादेश की टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत आठ जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच से करेगी। इस टूर्नामेंट के लिए कई टीमें अपनी टीम घोषित कर चुकी हैं जिनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, नीदरलैंड और आयरलैंड शामिल हैं।

टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है...

नजमुल हुसैन शांटो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्य सरकार, तंजिद हसन, शाकिब अल हसन, तौहिद हृदोय, महमूदुल्लाह, जाकेर अली, तनवीर इस्लाम, मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शौरिफुल इस्लाम, तंजिम हसन।

रिजर्व: हसन महमूद, अफीफ हुसैन।

शारजाह मास्टर्स में अर्जुन को शीर्ष वरीयता, 19 भारतीय मैदान में

शारजाह। ग्रैंडमास्टर और दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अर्जुन यहां 52,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि के शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के तौर पर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। दुनिया के सबसे कड़े ओपन टूर्नामेंट में से एक शारजाह मास्टर्स में 19 भारतीय ग्रैंडमास्टर भाग लेंगे। एसएल नारायणन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रेटिंग वाले खिलाड़ी हैं जबकि उनके बाद निहाल सरीन का नंबर आता है। नौ दौर के इस टूर्नामेंट के विजेता को 12 हजार डॉलर मिलेंगे। अर्जुन वारसॉ से सीधे यहां पहुंचे हैं जहां उन्होंने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में कुल पांचवां स्थान हासिल किया। शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी आम तौर पर ओपन टूर्नामेंट में नहीं खेलते। शीर्ष खिलाड़ियों के ओपन टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा से बचने का कारण उनकी रेटिंग के लिए बड़ा जोखिम है लेकिन अर्जुन ओपन टूर्नामेंट से अंक जुटाकर नए मानक तय कर रहे हैं। टूर्नामेंट में 2700 ईएलओ रेटिंग से ऊपर के नौ खिलाड़ी मैदान में हैं। अर्जुन दूसरी वरीयता प्राप्त ईरान के परहम माघसूदलू से 29 अंक आगे हैं। यह टूर्नामेंट दुबई पुलिस वैश्विक शतरंज चैलेंज के ठीक बाद आयोजित किया गया है जिसमें भारतीयों का दबदबा था। वी प्रणव विजेता रहे और उन्हें 16,500 अमेरिकी डॉलर मिले। इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय ओपन टूर्नामेंट में पहली बार शीर्ष तीन पुरस्कार भारतीयों ने जीते। अरविंद चिदंबरम दूसरे और एम प्राणेश तीसरे स्थान पर रहे। चिदंबरम दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन हैं और लगातार प्रगति कर रहे हैं। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार विश्व रैंकिंग के शीर्ष-50 में जगह बनाई है। निहाल सरीन तब विवादों में घिर गए थे जब ऑनलाइन ब्लिट्ज बाजियों में उनके शानदार नतीजों के कारण रूस के महान व्लादिमीर क्रैमनिक ने उन पर परोक्ष रूप से ऑनलाइन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। सरीन को भी इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अभिजीत गुप्ता पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन हैं और उन्होंने विभिन्न महाद्वीपों में टूर्नामेंट जीते हैं। वह कई लोगों के लिए एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकते हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन में निरंतरता की कमी उनके लिए एक समस्या रही है। प्रतियोगिता में कुल 88 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिसमें 19 भारतीय हैं।

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ी

एरिगेसी अर्जुन, एसएल नारायणन, निहाल सरीन, अरविंद चिदंबरम, रौनक साधवानी, लियोन ल्यूक मेंडोंका, अभिमन्यु पुराणिक, आदित्य मित्तल, अभिजीत गुप्ता, एसपी सेथुरमन, वी प्रणव, भरत सुब्रमण्यम, संकल्प गुप्ता, प्रणव आनंद, राजा रित्विक, बी अधिबान, डी हरिका, आदित्य सामंत और पी इनियन।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया

नई दिल्ली,एजेंसी। ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद (57) और अभिषेक पोरेल (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों और उसके गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 64वें मैच लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हरा दिया है। 209रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 44 के स्कोर तक एक के बाद एक अपने चार विकेट गवां दिये थे। क्विंटन डिकॉक (12), कप्तान के एल राहुल (5), मार्कस स्टॉयनिस (5) और दीपक हुड्डा (शून्य) और उसके आयुष बदोनी (6) रन पर आउट हुये। ऐसे संकट के समय निकोलस पूरन और कुणाल पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास किया। कुलदीप यादव ने कुणाल को 18रन पर आउट कर लखनऊ को छठा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अरशद खान ने जमकर खेलते हुए 33 गेंदों में नाबाद (58) रनों की पारी खेली। निकोलस पूरन 27 गेंदों में सर्वाधिक (61) रन बनाकर आउट हुये। युद्धवीर सिंह चरक (14) और रवि बिश्नोई दो रन बनाकर आउट हुये। लखनऊ की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 189 रन ही बना सकी और मुकाबला 19 रन से हार गई।

दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। खलील अहमद, अक्षर पटेल, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव और ट्रिस्टन स्ट्रब्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर मक्गर्क (शून्य) का विकेट गवां दिया। अशरद खान ने जेक फ्रेजर को नवीन उल हक के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक पोरेल और शे होप ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 92 रनों की साझेदारी हुई।

नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने शे होप को केएल राहुल के हाथों कैच आउट करा कर पवेलियन भेज दिया। होप ने 27 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। 12वें ओवर की पहली गेंद पर नवीन उल हक ने अभिषेक पोरेल को आउटकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई। पोरेल ने 33 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में कप्तान रिषभ पंत 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुये। नवीन उल हक की गेंद पर पंत का कैच हुड्डा ने ब्राउड़ी पर पकड़ा। ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुये नाबाद (57) रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल 14 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 208 का स्कोर खड़ा किया। लखनऊ की ओर से नवीन उल हक को दो विकेट मिले। अशरद खान और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पराग के घरेलू मैदान पर प्ले ऑफ में जगह सुनिश्चित करने उतरेंगे रॉयल्स

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स की टीम प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके पंजाब किंग्स के खिलाफ बुधवार को यहां जब नॉकआउट में अपनी जगह सुनिश्चित करने उतरेगी तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सबसे प्रभावी क्रिकेट प्रतिभाओं में शामिल रियान पराग को अपने घरेलू प्रशंसकों से भव्य स्वागत की उम्मीद होगी। दस टीम की तालिका में 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद रॉयल्स को अंतिम चार में जगह पक्की करने के लिए गुवाहाटी में अपने अगले दो 'घरेलू' मैचों में से एक में जीत सुनिश्चित करने की जरूरत है।

पिछले कुछ वर्षों से गुवाहाटी रॉयल्स का दूसरा घरेलू मैदान रहा है और पराग की क्षमताओं पर छह साल तक निवेश को देखते हुए यह फ्रेंचाइजी का एक रणनीतिक कदम था। प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के लिए सोशल मीडिया पर आलोचना झेलते रहे पराग के लिए इस साल घर वापसी खास है क्योंकि सलामी बल्लेबाज नहीं होने के बावजूद उन्होंने 153 के स्ट्राइक रेट से 483 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन ने पराग को अगली टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का दावेदार बना दिया है जहां उनके अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है। जब भी ऐसा होगा तब पराग सीनियर टीम की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनने वाले पूर्वोत्तर के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। यहां इस 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए समर्थन स्वाभाविक होगा और इससे पंजाब किंग्स के खिलाफ संजू सैमसन और उनकी टीम को भी मदद मिलेगी। पंजाब किंग्स के लिए मौजूदा सत्र में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन टीम एकजुट होकर प्रभावी प्रदर्शन करने में विफल रही। सत्र के अधिकांश हिस्से से चोट के कारण कप्तान शिखर धवन की अनुपस्थिति ने मामले को और बिगाड़ दिया क्योंकि कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन कप्तानी करते हुए प्रभावी नजर नहीं आए। दूसरी तरफ कप्तान के रूप में सैमसन का कद बढ़ गया है और मौजूदा सत्र एक बल्लेबाज के रूप में उनका सर्वश्रेष्ठ सत्र होने की उम्मीद है। वह पहले ही 486 रन के साथ अपनी टीम के शीर्ष स्कोरर हैं। यशस्वी जायसवाल (344 रन) और जोस बटलर (359 रन) के स्तर को देखते हुए इस सलामी जोड़ी के लिए मौजूदा सत्र औसत रहा है लेकिन पराग और सैमसन ने सुनिश्चित किया है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में बल्लेबाजी ठोस और निरंतर बनी रहे। रॉयल्स का सबसे मजबूत पहलू उनकी गेंदबाजी इकाई है जिसने लगभग पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। डेथे ओवरों में संदीप शर्मा का 8.07 का इकोनॉकी रेट और शुरुआती ओवरों में ट्रेंट बोल्ट का 8.38 का इकोनॉकी रेट टीम के लिए प्रभावशाली रहा है। रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल की स्पिन जोड़ी ने भी प्रभावित किया है।

जिस टीम में कोच पर्दे के पीछे काम करते हैं, वे बेहतर करती हैं- रायुडू

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू को इसमें कोई संदेह नहीं है कि जो आईपीएल टीमें अपने खिलाड़ियों को फैसले लेने के लिए सशक्त बनाती हैं, वे उन टीमों की तुलना में अधिक सफल होती हैं जो निर्णय लेने की जिम्मेदारी कोच के हाथों में छोड़ देती हैं। टीम के माहौल को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए, इस पर चर्चा में भारत और चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व खिलाड़ी रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मार्गदर्शक (मेंटर) गौतम गंभीर का उदाहरण दिया। गंभीर जिस तरह से अपने खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने की आजादी देते हैं वह रायुडू को पसंद है और उनके अनुसार यह इस सत्र में अब तक दो बार की चैंपियन टीम की सफलता की कुंजी रही है। भारत के लिए 55 एकदिवसीय और छह टी20 खेलने वाले रायुडू ने मंगलवार को 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा ''अगर कोच पीछे रहते हैं और पर्दे के पीछे काम करते हैं और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेने देते हैं, खिलाड़ियों को मैदान पर प्रदर्शन करने की आजादी देते हैं, तो ऐसी टीमें ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं और नाइट राइडर्स यही कर रहे हैं।

गंभीर की कप्तानी में 2012 और 2014 में आईपीएल विजेता केकेआर इस सत्र में प्लेऑफ में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है और उसके अभी नौ जीत के साथ 19 अंक हैं। गंभीर इस सत्र में केकेआर के मेंटर के रूप में लौटे और उनकी उपस्थिति को लगभग एक दशक के बाद टीम के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय दिया जा रहा है। छह बार आईपीएल चैंपियन टीमों का हिस्सा रहे रायुडू ने कहा, ''गौतम गंभीर सिर्फ उनकी मदद कर रहे हैं और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन कर रहे हैंज यदि आप इसे सरल रखते हैं, तो यह आसान है। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम की जीत या हार के बावजूद ड्रेसिंग रूम में सकारात्मकता लाने के लिए केकेआर के पूर्व कोच ब्रेंडन मैकुलम की सराहना की। उन्होंने कहा, ''जब मैं केकेआर का हिस्सा था, ब्रेंडन वहां थे। शानदार कोच। मैंने अब तक जिन शीर्ष लोगों के साथ काम किया है उनमें से एक। वह उस ड्रेसिंग रूम में बहुत सकारात्मक थे। चाहे आप जीतें या हारें, वह वैसे ही बने रहे। हरभजन ने कहा, ''उस सत्र की शुरुआत में हम लगभग छह-सात मैच हार गए और हम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए। मैंने ब्रेंडन मैकुलम में एक भी बदलाव नहीं देखा, जब हम नहीं जीत रहे थे तब भी और जब हम जीत रहे थे तब भी।''

टी-20 विश्व कप: यूएसए में धीमे विकेटों को देखते हुए तीन स्पिनरों के सात उतर सकता है श्रीलंका

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रीय चयनकर्ता उपुल थरंगा अभी भी यह तय कर रहे हैं कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को कैसे संतुलित किया जाए, लेकिन उन्हें लगता है कि तीन स्पिनरों को मैदान में उतारना एक व्यवहार्य विकल्प है। श्रीलंका के पास अपनी टी20 विश्व कप टीम में स्पिनिंग के ढेर सारे विकल्प हैं, जिनमें धनंजय डी सिल्वा, कामिंडु मेंडिस, चैरिथ असलांका और डुनिथ वेलालागे शामिल हैं, जो कप्तान वानिंदु हसरंगा और शीर्ष ऑफ स्पिनर महेश थीक्षाना के साथ एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान कर सकते हैं।

थरंगा ने मंगलवार को श्रीलंका क्रिकेट मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ऐसा मौका हो सकता है कि हम कभी-कभी तीन स्पिनरों के साथ खेलें। इसी को देखते हुए हमने डुनिथ वेलालागे को चुना, खासकर उनकी बल्लेबाजी को देखते हुए, क्योंकि कभी-कभी हम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर से पहले उनके साथ जा सकते थे। जहां तक धनंजय की बात है, हम उनकी गेंदबाजी को महत्व देते हैं, और पावर-हिटिंग के बारे में, हमें लगता है कि हम इसे टीम में कहीं और से प्राप्त कर सकते हैं। उनके हरफनमौला इनपुट के संदर्भ में, और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वह एक बेहतर विकल्प थे। चयनकर्ता इस बात पर बहस कर रहे हैं कि टी20 विश्व कप के लिए अपनी एकादश को कैसे संतुलित किया जाए, जबकि तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की फिटनेस पर नजर रखी जा रही है। श्रीलंका को उम्मीद है कि पथिराना अगले महीने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की शुरुआत से पहले स्वस्थ हो जाएंगे। चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते समय पथिराना को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी और 1 जून को टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले उन्हें पुनर्वास के लिए श्रीलंका वापस भेज दिया गया था। श्रीलंका के राष्ट्रीय चयनकर्ता, उपुल थरंगा को उम्मीद है कि पथिराना 3 जून को न्यूयॉर्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले टी20 विश्व कप मैच के लिए स्वस्थ होंगे, और उन्हें लगता है कि उनकी टीम के तेज आक्रमण में विरोधियों को डराने के लिए पर्याप्त मारक क्षमता है। थरंगा ने कहा, हमारे पास डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए खिलाड़ी हैं, लेकिन पावरप्ले में हमें विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। इसलिए उसके लिए, हमारे पास मदुशंका हैं और फिर ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में, हमारे पास असिथा फर्नांडो हैं। अगर हम अपनी तरफ से तुषारा, पथिराना को लें तो वे डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सकते हैं। लेकिन हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो नई गेंद से विकेट लेने के विकल्प की जरूरत होने पर आ सके, यही कारण है कि हम असिथा के साथ गए। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टी20 विश्व कप के नौवें संस्करण के साथ, थरंगा का मानना है कि टीमों को नौ अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न प्रकार की पिचों का सामना करना पड़ेगा और टूर्नामेंट के दौरान उन्हें तेजी से समायोजित करने की आवश्यकता होगी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान को उम्मीद है कि विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में विकेट धीमे और स्पिन के अनुकूल होंगे।

तोक्यो में सिर्फ खेलकर खुशी थी लेकिन पेरिस में अधिक एकाग्र रहूंगी : दीक्षा

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने जब तोक्यो खेलों में ओलंपिक में पदार्पण किया था तो वह वहां प्रतिस्पर्धा करके ही खुश थीं लेकिन तब से वह 'अधिक संतुलित और स्थिर' हो गई हैं और बधिर ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता आगामी पेरिस खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है।

पिछले हफ्ते 100 लेडीज यूरोपीई टूर स्पर्धाओं में भाग लेने वाली पहली भारतीय गोल्फर बनीं 24 वर्षीय दीक्षा जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक से पहले यूरोप में कई टूर्नामेंट खेलेंगी। इस सप्ताह बर्लिन में अमुंडी जर्मन मास्टर्स से शुरूआत करने वाली दीक्षा ओलंपिक की तैयारी के लिए कम से कम नौ टूर्नामेंट खेलेंगी और लगभग सभी टूर्नामेंट यूरोप में होंगे। दीक्षा ने 'फिट इंडिया चैंपियंस पॉडकास्ट' पर कहा, ''यहां से सभी टूर्नामेंट मेरे लिए ओलंपिक की तरह होंगे। उन्होंने कहा, ''मैं तोक्यो में सिर्फ प्रतिस्पर्धा करके ही खुश थी। यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव, सीख और प्रेरणा थी। पेरिस में मैं केवल प्रतिस्पर्धा करने बजाय अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अधिक प्रतिबद्ध और एकाग्र हूं। दीक्षा बाएं हाथ की गोल्फर हैं और वह ओलंपिक में एक बार तथा बधिर ओलंपिक में दो बार हिस्सा लेने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्हें जन्म से ही सुनाई नहीं देता था। रोहतक की इस खिलाड़ी ने बधिर ओलंपिक में 2017 में तुर्की में रजत और 2022 में ब्राजील में स्वर्ण पदक जीता। वह 2019 में पेशेवर बनीं। दक्षिण अफ्रीकी गोल्फर पाउला रेटो के हटने के बाद दीक्षा को तोक्यो में अंतिम समय में प्रवेश मिला था। उन्होंने अपने करियर में तीन पेशेवर खिताब जीते हैं और ओलंपिक रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं। वह भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का हिस्सा हैं। वह और अदिति अशोक टॉप्स से वित्तीय सहायता लेने वाली केवल दो गोल्फर हैं।

ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड के मुख्य कोच नियुक्त हुए जोहान बोथा

ब्रिस्बेन,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सीमित ओवरों के कप्तान जोहान बोथा को अगले तीन वर्षों के लिए ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। ब्रिस्बेन हीट ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। 42 वर्षीय बोथा वेड सेकोम्बे की जगह लेंगे। क्वींसलैंड डब्ल्यूएनसीएल और ब्रिस्बेन हीट महिला कोच एशले नोफ्के और इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एडम हॉलियोके भी इस पद के लिए दौड़ में थे। कोचिंग भर्ती प्रक्रिया क्वींसलैंड के विशिष्ट क्रिकेट प्रमुख जो डावेस, सीईओ टेरी स्वेनसन और क्वींसलैंड बोर्ड के निदेशक और पूर्व टेस्ट विकेटकीपर इयान हीली द्वारा संचालित की गई थी।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए पूर्णकालिक खेलने के लिए 2012 में एडिलेड जाने के बाद बोथा एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं, जिन्होंने पांच टेस्ट, 78 एकदिवसीय और 40 टी 20 आई खेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया, जिसमें 21 सफेद गेंद मैचों में अपने देश की कप्तानी भी शामिल थी। उन्होंने दो साल तक शेफ़ील्ड शील्ड और मार्श कप में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की। बोथा के पास बीबीएल में खेलने का व्यापक अनुभव है और उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स, सिडनी सिक्सर्स और होबार्ट हरिकेंस के साथ 71 मैच खेले हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में दुनिया भर में व्यापक कोचिंग अनुभव अर्जित किया है। वह तीन पीएसएल टीमों, मुल्तान सुल्तांस, कराची किंग्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच रहे हैं। उन्होंने सीपीएल में गुयाना अमेज़ॉन वॉरियर्स को भी कोचिंग दी। वह पिछले सीज़न में आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कोच थे, हालांकि वे अंतिम स्थान पर रहे थे, और एमएलसी में सिएटल ओर्कास के सहायक कोच थे। वह हाल ही में 2022-23 तक बीबीएल में स्ट्राइकर्स के सहायक कोच भी थे। क्वींसलैंड क्रिकेट के एलीट क्रिकेट प्रमुख जो डावेस ने कहा कि बोथा 3 जून को प्री-सीज़न प्रशिक्षण के साथ हीट एंड बुल्स के साथ अपने कार्यकाल की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा, जोहान बेहद प्रेरित और दृढ़निश्चयी व्यक्ति हैं और उन्होंने अपने खेल और कोचिंग करियर के दौरान लगातार उन गुणों को प्रदर्शित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सबसे आगे हैं और हमारे संगठन और विशेष रूप से बुल्स और चैंपियनशिप ब्रिस्बेन हीट स्क्वॉड में एक नया और गतिशील दृष्टिकोण लाएंगे। बोथा ने क्वींसलैंड क्रिकेट में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, क्वींसलैंड क्रिकेट मो आगे देखने के लिए बहुत कुछ है और मैं एक रोमांचक और संतुष्टिदायक चुनौती में भाग लेने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। खेल प्रतिभा और अनुभव के साथ यह एक अविश्वसनीय अवसर है जिसका उपयोग दोनों टीमें कर सकेंगी। बुल्स का सफलता से गहरा संबंध है, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि खेल समूह पहले से ही इस गर्मी में गहन प्रतिस्पर्धी होने की आकांक्षा रखता है।

एक नजर

निषादों को गले लगाकर मोदी ने की रामराज्य की शुरुआतः संजय

अयोध्या,एजेंसी। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री संजय निषाद ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निषाद समाज को गले लगा कर देश और प्रदेश में रामराज्य की परिकल्पना को साकार किया है। अयोध्या जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर बीकापुर विधानसभा के भरतकुण्ड सरोवर में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने अपने राज्याभिषेक निषाद राज को आमंत्रित कर सम्मान दिया था। ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निषादों को गले लगाया तो रामराज्य आने की भी शुरुआत हो गयी। उन्होंने कहा कि इससे पहले कांग्रेस के सात दशक के कार्यकाल में दर्जनों प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आये लेकिन नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने ही निषादों को गले लगाया। प्रधानमंत्री ने निषाद के घर जाकर उसका हालचाल लिया और घर से बनी चाय पिया। मोदी के नेतृत्व में इतिहास बड़ा हो रहा है और हमारा सीना चौड़ा हो रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों में निषादों को गरीब से गरीब में जोड़ दिया था। निषादों की चिंता देश के पीएम व सीएम कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी एवं सांसद लल्लू सिंह के पक्ष में बोलते हुए कहा कि आने वाले समय में जिस प्रकार से महिलाओं व उच्च वर्ग के गरीबों को आरक्षण दिया गया है उसी प्रकार से निषादों को आरक्षण दिया जाय। उन्होंने कहा कि सपा-बसपा का बटन दबाना महापाप है, क्योंकि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर बन रहा है जिसमें रामलला विराजमान हो रहे हैं और देश-विदेश से लोग दर्शन करने के लिये आ रहे हैं मगर सपा प्रमुख इस पावन अवसर पर आंमत्रण के बावजूद नहीं आये। इससे पूर्व निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष आशाराम निषाद, शम्भू निषाद ने इक्यावन किलो माला पहनाकर अपने नेता का भव्य स्वागत किया। जनसभा में विधायक अमित सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह भी उपस्थित थे।

प्रियंका की बेटी की संपत्ति पर विवादित ट्वीट, कांग्रेस ने दर्ज कराया मामला

शिमला,एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की बेटी की संपत्ति को लेकर विवादित ट्वीट करने पर पुलिस ने एक शख्स के खिलाफ़ मामला दर्ज किया है। कांग्रेस ने झूठा व तथ्यहीन ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामला राजधानी शिमला में सामने आया है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रमोद गुप्ता निवासी छोटा शिमला ने पुलिस में शिकायत दी है कि दिनांक 10 मई को अनूप वर्मा नामक शख्स ने अपने ट्विटर हैंडल से श्रीमती प्रियंका गांधी की बेटी मिराया वाड्रा के नाम पर 3000 करोड़ रुपए की संपत्ति होने का झूठा व निराधार ट्वीट किया है। इसके जरिये लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत आम जनता के बीच कांग्रेस पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रचार किया है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि अनूप वर्मा ने यह ट्वीट संसदीय चुनाव के दौरान किया है, ताकि ऐसे फर्जी और झूठे ट्वीट से कांग्रेस की विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। लोगों के मन में कांग्रेस के प्रति नफरत की भावना पैदा हो तथा उन्हें चुनाव में नुकसान भी उठाना पड़े। शिकायत के मुताबिक ये ट्वीट गलत तथ्यों पर आधारित है और इससे कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और श्रीमती वाड्रा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उक्त शख्स द्वारा किए गए झूठे व मनगढ़ंत ट्वीट से हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता में काफी आक्रोश है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर छोटा शिमला थाना में आईपीसी की धारा 153, 469, 500 व 505 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

अखिलेश यादव ने डूबते जहाज कांग्रेस की सवारी कर गलती कर दीः मोहन यादव

महोबा,एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) मुखिया पर तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव मे अपरिपक्वता दिखाते हुए गठबंधन का साथी चुनने मे बड़ी चूक कर दी। उन्हें गठबंधन ही करना था तो किसी अच्छे दल से करते। कांग्रेस तो डूबता हुआ जहाज है, जिसका खत्म होना तय है। महोबा जिले के पनवाड़ी कस्बे में भाजपा उम्मीदवार कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोहन यादव ने कहा की कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी खुद अपनी सीट के लिए जद्दोजहद में लगे हैं। सपा को कांग्रेस से क्या हासिल होगा। भारतीय परंपरा में उगते हुए सूरज को पूजने की परंपरा है, डूबते हुए की नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यादवों और ब्राम्हणों का रिश्ता पांच हजार साल पुराना है। भगवान श्री कृष्ण ने सुदामा के चावल खाकर उन्हें दो लोक का राज्य दिया। वहीं भगवान परशुराम ने सुदर्शन चक्र देकर मुरलीधर गोपाल को उस कृष्ण में परिवर्तित किया जिन्होंने रणभूमि में अर्जुन को जीवन और मृत्यु के अठारह अध्यायों से परिचित कराया। अपने निर्धारित समय से करीब ढाई घंटे विलंब से पहुंचे डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि साल 2014 का चुनाव आतंकवाद पर लगाम के लिएए 2019

का चुनाव धारा 370 और भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए लड़ा गया। इसी कड़ी में 2024 का चुनाव मथुरा में भगवान श्री कृष्ण के भव्य मंदिर के लिए होगा। यादव के अलावा मध्य प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मध्य प्रदेश में राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, छतरपुर विधायक खजुराहो विधायक, महोबा विधायक, राठ विधायक और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूतए चक्रपाणि त्रिपाठीए ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्री प्रकाश अनुरागी, पनवाड़ी प्रधान संजय द्विवेदी समेत अन्य जन प्रतिनिधियों ने आगामी 20 तारीख को भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

शिवराज ने भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल पर साधा निशाना

भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आम आदमी पार्टी के संयोजक वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर प्रहार करते हुए कहा कि ईमानदारी की कसमें खाने वाले केजरीवाल सबसे बड़े भ्रष्टाचारी हैं। भाजपा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार श्री चौहान उत्तर-पूर्व दिल्ली लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में आयोजित महिला सम्मेलन में यह बात कही। श्री चौहान ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा से प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा और नई दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज के समर्थन में विशाल चुनावी सभाओं को संबोधित किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आप पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि, ये केजरीवाल नहीं करप्शनवाल बन गए हैं। इन्होंने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। ईमानदारी की सौगंध खाने वाला सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी है। पूर्व सीएम ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार का नाम लिए बिना कहा कि, भारत के टुकड़े-टुकड़े होंगे के नारे लगाने वाले और आतंकवादियों का महिमामंडन करने वालों को जनता कभी भी स्वीकार नहीं करेगी। श्री चौहान ने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि, इंडी मतलब इनके नेता अपरिपक्व, नेता घबराए हुए है, कुछ भी बोल रहे है और आत्मविश्वास हिला हुआ है। खतरनाक है, देश विरोधी और देश बाटने वाले बयान देते है। इनका जनता से सरोकार नहीं है। श्री चौहान ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी का तो तय है कि, जीतने के बाद नरेन्द्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे, लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले बताएं कि, आखिर उनका प्रधानमंत्री कौन है। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाकर बेटियों को जन्म से ही लखपति बनाने का काम किया। इसके बाद कन्या विवाह योजना बनाई, जिसके अंतर्गत लाखों बेटियों की शादी करवाई। बहनों को स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत रिज़र्वेशन दिया। संबल योजना के तहत बहनों के खाते में बच्चे के जन्म से पहले 4 हजार और जन्म के बाद 12 हजार रूपए दिए गए। उसके बाद आई लाड़ली बहना योजना, इस योजना ने बहनों को आत्मविश्वास और मान-सम्मान बढ़ा दिया।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए तैयारियों की समीक्षा

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव-2024 की आगामी चार जून को होने वाली मतगणना के संबंध में तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा की है। श्री गुप्ता ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मतगणना को लेकर आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का गंभीरता के साथ पालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

उन्होंने मतगणना स्थल की तैयारी, मतगणना स्थल के अंदर एवं बाहर सुरक्षा इंतजाम, मतगणना दल, ईवीएम एवं पोस्टल बैलट गणना, मतगणना के दौरान वीडियोग्राफी, ईटीबीपीएस की गणना को लेकर तैयारी, वीपीपैट पेपर स्लिप काउंटिंग, एवं अन्य इंतजामों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रखे जाएं और पूरी पारदर्शिता के साथ मतगणना की प्रक्रिया को पूर्ण कराएं। श्री गुप्ता ने बताया कि राज्य में 27 मतगणना केन्द्र स्थापित किए जाएंगे जिनमें सभी लोकसभा क्षेत्रों के साथ बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के लिए मतों की गिनती भी की जाएगी। इन सभी केन्द्रों पर पत्रकारों को मतगणना संबंधी सूचना देने के लिए मीडिया सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। मीडिया सेंटर पर केवल अधिकृत पत्रकारों को ही प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान एवं चुनाव के परिणाम घोषित होने के पश्चात कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रित बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग, पुलिस बंदोबस्त, पार्किंग व्यवस्था आदि के लिए उचित प्रबंध जिला निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 144 दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अनुसार मतगणना के पश्चात विजय जुलूस, हर्ष फायरिंग, डीजे वाहन का प्रयोग, वाहन रैली आदि जैसे आयोजनों पर रोक रहेगी।

श्री गुप्ता ने कहा कि सभी मतगणना केंद्रों पर नियत समय पर सुबह आठ बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। सबसे पहले डाक मतों की गिनती शुरू होगी। इसके आधे घंटे बाद प्रात: 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होने से पहले अधिकृत एजेंट, उम्मीदवार को पोस्टल बैलेट के काउंटिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से रहे यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। डाक मत पत्रों की गणना के लिये लगाए गये प्रत्येक टेबल पर एक एआरओ की उपस्थिति होगी।

लोस चुनावः अमेठी की बनी राइफल एके 203 से थर्राता है पाकिस्तान- योगी

अमेठी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि अमेठी में निर्मित एके 203 असॉल्ट राइफल से पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान भी थर्राता है। श्री योगी ने यहां एक चुनावी जनसभा में कहा आज अमेठी में दुनिया की सबसे अच्छी असॉल्ट राइफल क्लाशनिकोव एके 203 का निर्माण हो रहा है, जिसे रशिया के साथ मिलकर भारत तैयार कर रहा है। इसकी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठीवासियों को दी है। अमेठी की राइफल एके 203 जब देश के जवानों के हाथों में होती है तो पाकिस्तान थर्राता है। आज यह अमेठी का गौरव है जबकि कांग्रेस और सपा के लोग यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचे थमाती थी। जगदीशपुर के अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होने लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पक्ष में वोट की अपील की।

योगी ने कहा कि वाराणसी में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जनता जनार्दन ने अभूतपूर्व स्वागत किया। यह तब होता है जब एक राष्ट्र नायक अपनी जनता जनार्दन के लिए सब कुछ समर्पित कर देता है। काशी की सड़कों पर लाखों लोग घंटों तक रोड शो का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए काशीवासी इसलिए उत्साहित थे क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने काशी को पहले से ज्यादा दिव्य और भव्य बना दिया है। उन्होंने काशी को चमका कर रख दिया है। वहीं अमेठी ने भी अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने इसे एक जिला मुख्यालय तक नहीं दिया। इतना ही नहीं कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन तक नहीं दी। उन्होने कहा कि इसी अमेठी को लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आग्रह पर एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया ताकि यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अमेठी में मेडिकल कॉलेज, जिला मुख्यालय, पुलिस लाइन, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का निर्माण भारतीय जनता पार्टी कर रही है जबकि पहले लोग सिर्फ वोट के लिए यहां आते थे। इतना ही नहीं डबल इंजन की सरकार पेशेवर गुंडों और अपराधियों का भी इलाज कर रही है। सीएम ने कहा कि यह अवध क्षेत्र है, जहां लोग भूखे तो रह सकते हैं, लेकिन प्रभु श्रीराम को नहीं भूल सकते हैं। श्रीराम तो आपके रोम-रोम में बसते हैं। वहीं पहले जिनको आप चुनते थे, वही प्रभु राम को नकारते थे, अपमानित करते थे और उनके बारे में अनर्गल टिप्पणी करते थे। यह आपके ही वोट से देश में सरकार बनाते थे और यहां से निकलने के बाद अमेठी वासियों को बुरा भला कहते थे। वहीं अमेठी की जनता ने रामलला पर हमला कराने वालों को जवाब दिया और आज उनकी चुनी मोदी सरकार ने 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में दिव्य, भव्य रामलला का मंदिर बना दिया है। सीएम योगी ने अमेठी की जनता से आग्रह किया कि इस बार फिर उन लोगों को करारा जवाब देना है, जो सिर्फ वोट के लिए आते हैं। वहीं चुनाव खत्म होते ही भूल जाते हैं। उन्होंने अमेठी से लिया तो बहुत कुछ है, लेकिन देने के नाम पर शून्य रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा ने जब रामलला के दर्शन से अपने विधायकों को मना किया तो रायबरेली के विधायक मनोज पांडेय ने विद्रोह कर दिया और पार्टी से नाता तोड़ लिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रभु श्रीराम से जन्म जन्मांतर का संबंध है, हम प्रभु श्रीराम को नहीं छोड़ सकते हैं।

भाजपा के अहंकार को खंड खंड करेगा बुंदेलखंडः अखिलेश यादव

जालौन,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चार चरणों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धराशायी हो गयी है और अब पांचवें चरण में बुन्देलखण्ड की धरती भाजपा के अहंकार को खंड-खंड करेगी। गठबंधन प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुये श्री यादव ने मंगलवार को कहा कि भाजपा ने बुन्देलखण्ड की जनता को धोखा दिया है। भाजपा ने बुन्देलखण्ड के किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था। तमाम तरह के सपने दिखाए थे। बुन्देलखण्ड की जनता अपने दुश्मन को पहचानती है। भाजपा की केन्द्र की दस साल और राज्य की सात साल की सरकार ने झूठे वादों और सपनों के अलावा बुन्देलखण्ड उरई जालौन, झांसी, ललितपुर में कुछ नहीं किया। इस लोकसभा चुनाव में बुन्देलखण्ड की जनता भाजपा से हिसाब लेगी। बुन्देलखंड में भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी।

उन्होने कहा कि भाजपा ने महंगाई आसमान पर पहुंचा दी है। खाद, कीटनाशक, डीजल, सिंचाई सब महंगी कर दी लेकिन किसानों की फसलों की कीमत नहीं बढ़ी। भाजपा ने किसानों को हर तरह से लूटने का काम किया है। झूठ और लूट भाजपा की पहचान बन चुकी है। भाजपा की सरकार में हमारा किसान गरीब होता जा रहा है। नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो गया। किसान, नौजवान संकट में है। भाजपा की सरकार ने उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रूपया कर्ज माफ कर दिया। किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। भाजपा सरकार ने जिस समय कर्ज माफी का फैसला लिया उस समय नीति बना दी कि जिनका पांच करोड़ रूपये से ज्यादा का कर्ज है उन्हीं का कर्ज माफ होगा। बीजेपी ने गरीबों और किसानों को धोखा देने के लिए यह नियम बनाया। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। भाजपा ने बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया। हम लोग अपने किसानों, गरीबों का कर्ज माफ करेंगे। कर्ज माफ करने के साथ हम लोग फसलों की एमएसपी के लिए कानूनी अधिकार दिलाएंगे। भाजपा सरकार द्वारा लाए गये तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने आंदोलन किया और फसलों की कीमत के लिए, एमएसपी को कानूनी अधिकार के लिए आंदोलन करना पड़ा। आंदोलन में लगभग एक हजार से ज्यादा किसान शहीद हो गये। जब से बीजेपी की सरकार आयी है एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने नौजवानों का जीवन बर्बाद किया। भाजपा सरकार में भर्ती परीक्षाओं के दस पेपर लीक हो गये। इस सरकार ने भर्तियों के लिए तैयारी कर रहे छात्रों का पैसा और समय खराब किया। नौजवान हताश और निराश हो गया है। भाजपा नौजवानों को नौकरी, रोजगार नहीं देना चाहती है। इसने जानबूझकर पेपर लीक कराये। सेना की अच्छी खासी नौकरी को अग्निवीर बनाकर फौज की सेवा में जाने वाले युवाओं का भविष्य भी संकट में डाल दिया। हम इंडिया गठबंधन के लोग अग्निवीर योजना को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जैसे ही इण्डिया गठबंधन की दिल्ली में सरकार बनेगी अग्निवीर योजना हमेशा के लिए खत्म कर देंगे। उन्होने कहा कि भाजपा किसानों, गरीबों और आम जनता को लूट कर कम्पनियों और उद्योगपतियों को मुनाफा दिलाती है। उसके बाद उन्हीं कम्पनियों और उद्योगपतियों से चुनावी चंदा वसूलती है। भाजपा ने इलेक्टोरल बांड के नाम पर लूट मचायी। दवा कम्पनियों से चंदा लिया। उन कम्पनियों ने दवाओं के दाम बढ़ा दिया। हर दवा की कीमत बढ़ा दी गयी। कोरोना वैक्सीन को लेकर गंभीर रिपोर्ट आयी है। वैक्सीन कम्पनी से चंदा लेकर सबको वैक्सीन लगवा दी। वैक्सीन में कमियां उजागर होने के बाद अब वैक्सीन कम्पनी ने वैक्सीन वापस ले लिया। लेकिन जो वैक्सीन शरीर में लगवा दिया वह कैसे वापस होगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड से कम्पनियों से बहुत पैसा वसूला है। भारी भ्रष्टाचार किया है। अभी तो चुनावी चंदे वाली पोल खुली है। भाजपा ने दस सालों में हर वर्ग को लूटने का काम किया है। इन्होंने महंगाई बढ़ा कर जनता से पैसा वसूल-वसूल कर कमर तोड़ दी है। देश की गरीब और मध्यम वर्ग जनता का जीवन तबाह कर दिया है। यह सरकार जनता की जान के पीछे तो पड़ी ही है यह संविधान के पीछे भी पड़ी है। यह चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। संविधान और देश का लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए सावधान रहना है। भाजपा को हटाना है। भाजपा वोट से नहीं नोट और खोट से चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा बेईमानी करती है। सबको अपने वोट और बूथ की रक्षा करनी होगी। भाजपा के लोग वोट को लूटना चाहते हैं।

तेलंगाना चुनाव में बीआरएस करेगी कांग्रेस, भाजपा दोनों से अच्छा प्रदर्शनः केटीआर

सिरिसिला,एजेंसी। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने भरोसा जताया कि सोमवार को हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े प्रयासों के बावजूद उनकी पार्टी दोनों पार्टियों की तुलना में ज्यादा सीटें प्राप्त करेगी।

सिरिसिला में मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस के साथ हमारी प्रतिस्पर्धा हुई। किसी भी सीट को जीतने के शुरुआती संदेह होने के बावजूद, हमारी गुलाबी ब्रिगेड ने कांग्रेस और भाजपा दोनों को कड़ी टक्कर दी है। केटीआर ने क्षेत्रीय दलों के बढ़ते प्रभाव पर बल दिया, उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक शक्ति के रूप में देखा, जबकि कांग्रेस और भाजपा की बहुमत प्राप्त करने की क्षमता पर सवाल उठाया।

उन्होंने कई क्षेत्रों में 'डमी उम्मीदवारों' को मैदान में उतरने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर बीआरएस को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने ग्रामीण समुदायों से बीआरएस को प्राप्त

समर्थन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें उन्होंने रायतू भरोसा को मंजूरी नहीं देने पर किसानों में व्याप्त असंतोष और 2,500 रुपये का वितरण नहीं करने सहित अधूरे वादों पर महिलाओं के गुस्से का हवाला दिया। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, केटीआर ने पार्टी की सफलता का श्रेय केसीआर की व्यापक बस यात्रा को दिया, जो पूरे राज्य के मतदाताओं द्वारा पसंद किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए केटीआर ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में उनके अथक प्रयासों को स्वीकार किया। केटीआर ने आशा व्यक्त किया कि लोकसभा चुनावों में प्राप्त सफलता भविष्य के स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों में सफलता के रूप में दिखेगी, जो पार्टी के निरंतर विकास और प्रभाव में एक मजबूत नींव तैयार करेगी। केटीआर ने उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने पार्टी की सफलता में योगदान दिया और तेलंगाना के हितों के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)